twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 01 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 256, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

मालेगांव ब्लास्ट: साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित समेत सातों आरोपी बरी

सिर्फ धारणा या नैतिक सबूतों के आधार पर किसी को सजा नहीं दी जा सकती

आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, क्योंकि कोई भी मजहब हिंसा की वकालत नहीं करता

मुंबई

मालेगांव में 2008 के दिल दहला देने वाले धमाके के मामले में एनआईए कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी आरोपी को बरी कर दिया है। 29 सितंबर 2008 को मालेगांव शहर, नासिक में एक मस्जिद के पास कथित तौर मोटरसाइकिल पर रखा गया विस्फोटक फटने से छह लोग मारे गए थे और कई घायल हो गए थे। कोर्ट ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, क्योंकि कोई भी मजहब हिंसा की वकालत नहीं करता। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अभियोजन पक्ष धमाके की बात तो साबित कर पाया, लेकिन यह सिद्ध नहीं कर सका कि मोटरसाइकिल में बम रखा गया था। इसके अलावा, घायलों की संख्या को लेकर भी गड़बड़ी सामने आई। कोर्ट ने पाया कि घायल लोगों की संख्या 101 नहीं, बल्कि 95 थी और कुछ मेडिकल सर्टिफिकेट में हेरफेर किया गया था।

पीड़ितों को मुआवजा

कोर्ट ने धमाके में मारे गए छह लोगों के परिवारों को 2 लाख रुपये और सभी घायल पीड़ितों को 50,000 रुपये मुआवजे के तौर पर देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सिर्फ धारणा या नैतिक सबूतों के आधार पर किसी को सजा नहीं दी जा सकती। इसके लिए ठोस सबूतों की जरूरत होती है, जो इस मामले में अभियोजन पक्ष पेश नहीं कर सका।

क्या है मालेगांव धमाका मामला?

17 साल पहले हुए इस धमाके ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। मालेगांव की एक मस्जिद के पास हुए इस विस्फोट में छह बेगुनाहों की जान चली गई थी और कई लोग जख्मी हो गए थे।

इस मामले में कई लोगों को आरोपी बनाया गया था जिनमें साध्वी प्रज्ञा और लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित जैसे नाम शामिल थे। लेकिन लंबी कानूनी लड़ाई के बाद कोर्ट ने सभी को बरी कर दिया।

कहां हुआ था ब्लास्ट?

गौरतलब है कि 29 सितंबर, 2008 की रात में मालेगांव के भिक्कू चौक के पास एक जोरदार धमाका हुआ। इस बम ब्लास्ट में छह लोग मारे गए थे। इसके साथ ही 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। जांच में सामने आया कि एक बिजी चौराहे के पास एक मोटरसाइकिल पर लगा बम फटा था। इसके बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी फैल गई थी। बता दें कि मालेगांव ब्लास्ट का मामला हाल के दिनों में सबसे जटिल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील आतंकवादी मुकदमों में से एक रहा है। मालेगांव ब्लास्ट मामले की जांच शुरूआत में महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की। इस मामले में तुल उस वक्त पकड़ा, जब जांच के दौरान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी की गई। इसी दौरान भगवा आतंकवाद नाम का मुहावरा सामने आया। इस ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार लोगों में बीजेपी की दिग्गज नेता और पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और पूर्व सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित भी शामिल रहे। हालांकि, आज कोर्ट ने इस मामले के सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है।

पूर्व बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा समेत कई नाम आए थे सामने

मालेगांव ब्लास्ट मामले की जांच शुरूआत में महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की। इस मामले में तुल उस वक्त पकड़ा, जब जांच के दौरान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी की गई। इसी दौरान भगवा आतंकवाद नाम का मुहावरा सामने आया। इस ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार लोगों में बीजेपी की दिग्गज नेता और पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और पूर्व सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित भी शामिल रहे।

कोर्ट से कौन-कौन हुआ बरी?

सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए सोनिया गांधी, पी चिदंबरम को हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए: भाजपा

नई दिल्ली। मालेगांव ब्लास्ट केस में एनआईए की विशेष अदालत ने सबूतों के अभाव में सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अभियोजन पक्ष धमाके की बात तो साबित कर पाया, लेकिन यह सिद्ध नहीं कर सका कि मोटरसाइकिल में बम रखा गया था। अदालत के फैसले के बाद भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, "हिंदू कभी आतंकी नहीं हो सकता। कांग्रेस ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति के लिए भगवा आतंकवाद का झूठा नैरेटिव गढ़ा और निदोर्षों पर फर्जी केस थोपे।" उन्होंने आगे लिखा, "साफ है कांग्रेस ने एक साजिश रची थी। सोनिया गांधी, पी. चिदंबरम और सुशीलकुमार शिंदे जैसे नेताओं को सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। सनातन धर्म पवित्र है। हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकता। गर्व से कहो हम हिंदू हैं।"

कोर्ट ने प्रसाद पुरोहित पर लगे आरोपों की उड़ाई धज्जियां

कोर्ट ने लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित पर लगे आरोपों की भी धज्जियां उड़ा दीं। कोर्ट ने कहा कि यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि उन्होंने कश्मीर से आरडीएक्स मंगाया, या उन्होंने बम तैयार किया। पुरोहित के घर में आरडीएक्स के भंडारण का कोई सबूत भी नहीं मिला। घटनास्थल पर विस्फोट के बाद कोई खाली शेल भी नहीं पाया गया। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिए थे कि विस्फोटकांड को अंजाम देने के लिए सातों आरोपितों के बीच कई बैठकें हुईं। लेकिन कोर्ट में इस बात के कोई सबूत पेश नहीं किए जा सके। अभियोजन पक्ष का दावा था कि कर्नल पुरोहित द्वारा 2006 में स्थापित संगठन अभिनव भारत का उपयोग मालेगांव विस्फोटकांड हेतु धन जुटाने के लिए किया गया। अभियोजन पक्ष इसका भी कोई सबूत पेश नहीं कर सका।

अदालत ने माना धमाका हुआ, मगर सबूत नाकाफी

बता दें अदालत ने अपने फैसले में माना कि मालेगांव में धमाका हुआ था, मगर ये साबित नहीं हो सका कि बम उस मोटरसाइकिल में रखा गया था, जिसके बारे में दावा किया गया था कि ये साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का था। जज अभय लोहटी ने कहा, "प्रॉसिक्यूशन ने साबित किया कि मालेगांव में धमाका हुआ, लेकिन ये साबित नहीं कर सका कि बम उस मोटरसाइकिल में था।" अदालत ने 323 गवाहों और 8 डिफेंस गवाहों के बयानों को सुनने के बाद ये फैसला सुनाया।

आरबीआई की एमपीसी बैठक 4 से 6 अगस्त के बीच, रेपो रेट यथावत रहने की संभावाना

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 4-6 अगस्त के बीच होने वाली है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक में लिए जाने वाले फैसलों की घोषणा 6 अगस्त को करेंगे। अर्थशास्त्रियों ने बैठक में रेपो रेट 5.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रहने की संभावना जताई है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अमेरिका की 25 फीसदी नए टैरिफ की घोषणा के बावजूद रिजर्व बैंक अगस्त की मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक में नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। आरबीआई समीक्षा बैठक में रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रख सकता है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होने वाली एमपीसी की यह समीक्षा बैठक 4-6 अगस्त तक चलेगी। आरबीआई ने यह बैठक पहले 5-7 अगस्त के लिए निर्धारित थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली एमपीसी ने फरवरी, 2025 से लेकर अभी तक रेपो रेट में कुल मिलाकर 100 आधार अंकों यानी एक फीसदी की कटौती की है। इससे पहले फरवरी और अप्रैल में 25 आधार अंकों की कटौती की गई थी। आरबीआई ने पहली और दूसरी एमपीसी समीक्षा बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी और तीसरी बार यानी जून में 0.50 फीसदी की कटौती की थी, जो अभी 5.50 फीसदी है।

ट्रम्प ने इंडिया को डेड इकोनॉमी बताया

नई दिल्ली

भारतीय आयात पर एक अगस्त, 2025 से 25 फीसद का शुल्क और इसके साथ पेनल्टी देने की घोषणा के बाद भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुप नहीं बैठे हैं बल्कि पिछले 24 घंटों में भारत व रूस के संबंधों को लेकर भारतीय इकोनॉमी को लेकर ना सिर्फ बेहद आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं बल्कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान कार्ड खेलने के संकेत भी दिये हैं। ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ कारोबारी समझौता करने का दम भरा है और वहां अमेरिकी तेल फील्डों से निकालकर तेल को भारत को बेचने की बात कही है।

मोदी कैबिनेट: राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को मिलेंगे 2000 करोड़ रूपए

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 2025-26 से 2028-29 तक 4 साल की अवधि के लिए 2000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केंद्रीय क्षेत्र योजना 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को अनुदान सहायता' की मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी दी है। सरकार की ओर से बताया गया है कि वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक 4 वर्षों की अवधि के लिए अनुदान सहायता पर 2000 करोड़ रुपये का परिव्यय किया जाएगा। एनसीडीसी चार वर्षों की अवधि में खुले बाजार से 20,000 करोड़ रुपये जुटा सकेगी। एनसीडीसी की ओर से नई परियोजनाओं की स्थापना/संयंत्रों के विस्तार, सहकारी समितियों को ऋण देने और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देने हेतु निधियों का उपयोग किया जाएगा। सरकार ने बताया है कि इस कदम से देश भर में डेयरी, पशुधन, मत्स्य पालन, चीनी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और कोल्ड स्टोरेज जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 13,288 सहकारी समितियों के 2.9 करोड़ सदस्यों; श्रम और महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों को लाभ मिलेगा। निगम (एनसीडीसी) को चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता को मंजूरी दी है।

सुप्रीम कोर्ट तय करेगा रोहिंग्या शरणार्थी हैं या वे अवैध प्रवासी

नई दिल्ली

रोहिंग्याओं के मामले पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि सबसे पहले वो इस बात पर विचार करेगा कि क्या रोहिंग्या शरणार्थी हैं या वे अवैध प्रवासी। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि जब न्यायालय इस मसले पर फैसला कर लेगा, तब दूसरे मसलों का निपटारा हो जाएगा। उच्चतम न्यायालय रोहिंग्याओं को लेकर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। न्यायालय ने कहा कि क्या रोहिंग्या शरणार्थी का दर्जा पाने के हकदार हैं।

अगर वे शरणार्थी का दर्जा पाने के हकदार हैं, तो उन्हें किस तरह की सुरक्षा या सुविधाएं मिलेंगी। न्यायालय ने कहा कि अगर रोहिंग्या शरणार्थी नहीं हैं और वे अवैध प्रवासी हैं, तो केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से उन्हें डिपोर्ट करना जायज था। न्यायालय ने रोहिंग्या से जुड़ी सभी याचिकाओं को तीन हिस्सों में बांटने का आदेश दिया। पहला रोहिंग्याओं से जुड़ा हुआ। दूसरा जिनका संबंध रोहिंग्याओं से नहीं है। तीसरा वे जिनका संबंध दूसरे मामलों से है। न्यायालय ने कहा कि इन याचिकाओं को अलग-अलग करने के बाद हर बुधवार को सुनवाई की जाएगी। न्यायालय ने 16 मई को रोहिंग्या शरणार्थियों को जबरन म्यांमार डिपोर्ट करते समय उन्हें अंडमान समुद्र में ड्रॉप करने का आरोप लगाने वाले याचिकाकताओं को फटकार लगाते हुए उनसे इसका आधार पूछा था। जस्टिस सूर्यकांत ने याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंजाल्वेस से कहा था कि ये सब कौन देख रहा था। कौन रिकॉर्ड कर रहा था।

रेल यात्रियों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई: रेल मंत्री

नई दिल्ली

रेल मंत्री ने बुधवार को कहा कि आम आदमी को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों में नॉन एसी कोचों की संख्या बढ़ाई गई है। अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को संसद को बताया कि भारतीय रेलवे द्वारा संचालित ट्रेनों में गैर-वातानुकूलित डिब्बों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह लगभग 70 प्रतिशत हो गई है। अगले 5 वर्षों में अतिरिक्त 17,000 गैर-वातानुकूलित सामान्य और शयनयान डिब्बों के उत्पादन के लिए एक विशेष विनिर्माण कार्यक्रम लागू किया जा रहा है।

यात्रियों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि

भारतीय रेलवे ने सामान्य श्रेणी में यात्रा की मांग करने वाले यात्रियों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। केवल पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, विभिन्न लंबी दूरी की ट्रेनों में 1,250 सामान्य डिब्बों का उपयोग किया गया है। भारतीय रेलवे गरीबों और निम्न मध्यम वर्ग सहित आम जनता के लाभ के लिए मेल, एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों सहित किफायती किराया संरचना वाली बड़ी संख्या में ट्रेनें चला रहा है।

अमृत भारत ट्रेनों के उत्पादन किया जा रहा है

मंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे ने गैर-वातानुकूलित अमृत भारत सेवाएं और नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं शुरू की हैं, जो आबादी के एक बड़े हिस्से, विशेष रूप से निम्न आय वर्ग को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ प्रदान करती हैं।

भारत में मानसून के दूसरे हिस्से में सामान्य से ज्यादा बारिश की संभावना: मौसम विभाग

नई दिल्ली

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को कहा कि इस साल मानसून के दूसरे हिस्से यानी अगस्त और सितंबर में देश में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अगस्त में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य बारिश होने की उम्मीद है, लेकिन पूर्वोत्तर और उससे सटे पूर्वी भारत के कुछ इलाकों में कम बारिश हो सकती है।

'सितंबर महीने में भी सामान्य से ज्यादा बारिश की संभावना'

उन्होंने कहा, 'सितंबर महीने में बारिश सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है। कुल मिलाकर, जून-सितंबर की मानसून अवधि के दूसरे हिस्से में देशभर में औसत से ज्यादा यानी 106% बारिश होने के आसार हैं।' यह अनुमान 422.8 मिमी दीर्घकालीन औसत (एलपीए) के आधार पर है। देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से ज्यादा या सामान्य बारिश होने की संभावना है। सीमावर्ती इलाके, मध्य भारत के कुछ अलग-थलग क्षेत्र और प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में कम बारिश की संभावना है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए जल्द जारी होगी अधिसूचना

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने गुरुवार को कहा कि उसने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की अंतिम सूची तैयार कर ली है। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के कारण जरूरी हो गया है। भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित और मनोनीत सदस्य और लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। आयोग ने एक बयान में कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है। अधिसूचना जारी होने की तिथि से यह सूची चुनाव आयोग के कार्यालय में बनाए गए विशेष काउंटर पर खरीदी जा सकेगी।

अधिसूचना जल्द ही जारी होने की संभावना है। धनखड़ ने 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, जबकि उनके कार्यकाल की समाप्ति में अभी दो साल से ज्यादा का समय बाकी था।

शहीद उधम सिंह की तपस्या, बलिदान और उनका साहस हमें प्रेरणा देता रहेगा: सैनी

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह की तपस्या, बलिदान और उनका साहस हमेशा हमें प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने जलियांवाला बाग में निहत्थे लोगों के हत्यारे जरनल डायर को विदेश में जाकर मौत के घाट उतारा था। जो पूरे देश के लिए आज भी प्रेरणादायक है और हमेशा देश सेवा की प्रेरणा देता रहेगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को पंजाब में स्थित शहीद उधम सिंह की जन्मभूमि सुनाम में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहीद उधम सिंह मैमोरियल पर जाकर उनकी प्रतिमा के सामने पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने यहां पौधारोपण भी किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने शहीद उधम सिंह संग्रहालय का दौरा किया और शहीद उधम सिंह से जुड़ी स्मृतियों, उनके फोटो व उनके पत्रों का अवलोकन कर अपने विचार भ्रमण पुस्तिका में दर्ज किए। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सरदार हरदयाल सिंह की अगुवाई में शहीद उधम सिंह के परिजनों से मुलाकात की। परिजनों ने अपनी मांगों के संबंध में एक मांग पत्र भी हरियाणा के मुख्यमंत्री को सौंपा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने संगरूर रोड पर भाजपा नेत्री एवं पंजाब प्रदेश सचिव दामन बाजवा द्वारा आयोजित जनसभा में पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री का पंजाब भाजपा नेताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें शहीद उधम सिंह की जन्मभूमि पर आकर उन्हें नमन करने का अवसर मिला है।

जब लोग जलियांवाला बाग में बैसाखी पर्व के लिए एकत्रित हुए थे, उस समय जरनल डायर ने सभी रास्ते बंद करवाकर निहत्थे लोगों पर फायरिंग का आदेश देकर हजारों लोगों को मौत के घाट उतरवा दिया था। उसी समय सरदार उधम सिंह ने देश की मिट्टी को माथे से लगाकर संकल्प लिया था कि जब तक मैं इस जरनल डायर को मौत के घाट नहीं उतार देता तब तक चैन से नहीं बैठूंगा। 13 अप्रैल 1919 की इस हृदयविदारक घटना के बाद 13 अप्रैल 1940 को अंग्रेजों की धरती पर जाकर उन्होंने जरनल डायर को गोलियों से भून कर मौत के घाट उतार कर उन हजारों निहत्थे लोगों की हत्या का बदला लिया और अपना सर्वस्व इस देश पर कुर्बान कर दिया। क्रांतिकारी वीर सरदार उधम सिंह ने लंबे समय तक तपस्या की और फिर अपना बदला लिया। जो उनके साहस, उनकी तपस्या व त्याग का परिणाम है। उनकी महान तपस्या, उनका साहस और उनका बलिदान हमेशा हमें प्रेरणा देता रहेगा।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं समस्याएं, कहा- जरूरतमंद को आवास दिलाएंगे, इलाज भी कराएंगे

एजेंसी

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं

का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। कहा कि सरकार की मंशा है कि हर जरूरतमंद के पास पक्का आवास हो। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा और आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट गिफ्ट किया।

संघ के वरिष्ठ प्रचारक माणकचंद का निधन

एजेंसी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और पाथेय कण पत्रिका के संरक्षक माणकचंद (भाई जी) का 12:15 बजे यहां के एसएमएस अस्पताल में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे और पिछले एक माह से किडनी संबंधी बीमारी से ग्रस्त थे। संघ के प्रचार विभाग के मुताबिक, मानकचंद पिछले 60 वर्षों से संघ के प्रचारक के थे। उन्होंने 34 वर्षों तक पाथेय कण पत्रिका के प्रबंध संपादक के रूप में कार्य किया। वे आपातकाल के दौरान जेल भी गए। संघ कार्य के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन और वैचारिक स्पष्टता उन्हें प्रचारकों की नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। पाथेय कण के माध्यम से उन्होंने वैचारिक जागरूकता का जो कार्य किया, वह लंबे समय तक स्मरणीय रहेगा। उनके निधन से संघ परिवार, पाथेय परिवार एवं भारतीय विचार की पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है।

वायनाड हादसे के पीड़ितों का कर्ज माफ करे केंद्रः प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड क्षेत्र में पिछले साल हुए हादसे पर केंद्र सरकार के रवैये पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि एक साल बाद भी वायनाड हादसे के पीड़ित लोग संघर्ष कर रहे हैं। यह बेहद दुखद है कि सरकार ने पीड़ितों के लिए भेजी गई सहायता को ऋण के रूप में भेजा। पीड़ितों का कर्ज माफ किया जाना चाहिए। प्रियंका गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, वह लोग उस ऋण को कैसे चुकाएंगे? केंद्र सरकार के लिए यह एक छोटी सी राशि है, प्रधानमंत्री को यह पैसा माफ कर देनी चाहिए। प्रियंका ने कहा कि वह संसद में चल रही बहस के कारण वायनाड नहीं पहुंच सकीं, लेकिन उन्होंने वहां के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। यह वायनाड के लोगों के लिए बहुत कष्टदायक रहा है और वह उनके दुःख को बहुत गहरे से महसूस करती हैं, क्योंकि उन्हें वहां के लोगों से अपार प्रेम मिला है। प्रियंका ने कहा कि वायनाड के लोग इस त्रासदी से जल्दी उबरेंगे और अपने जीवन को आगे बढ़ा सकेंगे।

राज्यसभा में चर्चा : मनोज झा ने कहा पहलगाम आतंकवादी हमला देश की सामूहिक पीड़ा

नई दिल्ली ।राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने पहलगाम आतंकवादी हमले को देश की सामूहिक पीड़ा बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल हमले में मारे गए 26 व्यक्तियों के परिवारों की पीड़ा नहीं, बल्कि पूरे देश की पीड़ा है। मनोज झा ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि एक परिपक्व लोकतंत्र में यह अंतर स्पष्ट होना चाहिए कि सैन्य सेवा और राजनीतिक नेतृत्व अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में प्रधानमंत्री को सरकार का पक्ष रखना चाहिए था, लेकिन पीएम ने कहा कि वे भारत का पक्ष रखने सदन में आए हैं। झा ने कहा कि हमने प्रश्न सरकार से किए हैं; हमारा प्रश्न भारत माता से नहीं है, न ही सेना से। मनोज झा ने कहा कि 'गवर्नमेंट एज नॉट द नेशन' चाहे कोई भी सरकार हो, वह राष्ट्र की पर्याय नहीं है। उन्होंने कहा कि कल हममें से बहुत सारे लोग नहीं होंगे। सरकार भी बदल जाएगी। पार्टियां विलुप्त हो जाएंगी, लेकिन देश तो तब भी रहेगा।उन्होंने संसद की चर्चाओं का जिक्र करते हुए कहा कि नेहरू का नाम बार-बार घसीटा जाता है। अगर इतने बरसों बाद भी नेहरू आपको परेशान कर रहे हैं तो इसका मतलब है कि कुछ तो बात थी उस बंदे में। वहीं जम्मू कश्मीर को लेकर भी उन्होंने सरकार से मांग की। मनोज झा ने कहा कि वह सरकार के समक्ष अर्जी लगाते हैं कि जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। उन्होंने राज्य सभा में कहा कि देश की इतनी मित्र मित्रविहीनता कभी नहीं रही है। मनोज झा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेशों में गुडविल मिशन भेजे गए। यह एक अच्छा कदम था। ऐसे मिशन लगातार भेजें, लेकिन ऐसे गुडविल मिशन देश के भीतर भी भेजें। उन्होंने कहा कि देश में एक कर्नल को उसके नाम, सरनेम के आधार पर एक मंत्री उनके लिए अपशब्द कहता है। राज्यसभा सभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री के साथ हैं। मैं प्रस्ताव करता हूं कि हम सामूहिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान का खंडन करें। इससे पहले उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप लगातार यह कह रहे हैं कि उन्होंने भारत व पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया है। झा ने कहा कि सदन एक स्वर में अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान को खारिज कर इसे झूठ करार दे।

पुंछ में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को किया ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय सेना के जवानों ने बुधवार को दो आतंकवादियों को ढेर करके घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा, एक घुसपैठ विरोधी सफल अभियान में भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि त्वरित कार्रवाई और सटीक गोलाबारी ने आतंकवाादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया और मौके से तीन हथियार भी बरामद किए गए हैं। नगरोटा स्थित व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि की। रक्षा अधिकारी ने कहा कि हमारी खुफिया इकाइयों और जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली समन्वित और समन्वित खुफिया सूचनाओं के आधार पर एक सफल अभियान चलाया गया, जो अभी चल रहा है।

कान खोलकर सुन लें, 22 अप्रैल से 16 जून तक पीएम मोदी–ट्रंप में कोई बातचीत नहीं हुई : जयशंकर की विपक्ष को दो टूक

एजेंसी

नई दिल्ली । राज्यसभा में बुधवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत की विदेश और रक्षा नीति पर विपक्ष के सवालों का करारा जवाब दिया। जयशंकर ने कहा कि भारत ने निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक कार्रवाई की और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दुनिया के किसी भी नेता ने भारत पर दबाव नहीं डाला। इसी दौरान विदेश मंत्री जब संसद में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जवाब दे रहे थे, तभी विपक्षी नेता हंगामा करने लगे। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं को टोकते हुए कहा, %%मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक, एक बार भी प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत नहीं हुई थी।' उन्होंने कहा कि अमेरिका, सऊदी अरब और अन्य देशों से जो भी संवाद हुआ, वह पूरी तरह पारदर्शी और रिकॉर्ड में है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि भारत ने स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान यदि संघर्ष विराम चाहता है, तो उसे हमारे डीजीएमओ चैनल से संवाद करना होगा। चीन और पाकिस्तान को लेकर विपक्ष पर हमला बोलते हुए

जयशंकर ने कहा कि भारत की कूटनीतिक सफलता इस बात से साबित होती है कि यूएनएससी में भारत भले ही स्थायी सदस्य न हो, लेकिन सुरक्षा परिषद प्रमुख का बयान भारत के पक्ष में आया। रूस सहित कई देशों ने भारत का समर्थन किया। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, 'जो लोग मुंबई हमलों पर चुप रहे थे, आज वे हमें ज्ञान दे रहे हैं।' विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारतीय सेना को किसी के समर्थन की जरूरत नहीं है और उसने आतंकियों के ठिकानों पर खुद ही सफलतापूर्वक कार्रवाई की है। उन्होंने नूर खान एयरबेस सहित कई आतंकवादी और सैन्य ठिकानों पर की गई तबाही का जिक्र करते हुए कहा कि सेना का श्रेय किसी और को देना उसका अपमान होगा। 'न्यू नॉर्मल' और 'कांग्रेस नॉर्मल' की तुलना करते हुए जयशंकर ने पांच बिंदुओं पर आधारित भारत की नई रणनीति राज्यसभा में प्रस्तुत की। चीन-पाकिस्तान संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसा और कहा कि कुछ नेता 'ओलंपिक की क्लासरूम' में जाकर चीन का ज्ञान लेकर आए हैं और चीनी राजदूत से 'ट्यूशन' लेते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2006 में कांग्रेस सरकार ने हू जिंताओ की यात्रा के दौरान चीनी कंपनियों को 3जी और 4जी जैसे क्षेत्रों में आमंत्रित कर देश की सुरक्षा से समझौता किया।

अश्लील और असंवेदनशील सामग्री पर नकेल कसते हुए अब तक 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म किए गए ब्लॉकः अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने बुधवार को संसद को सूचित किया कि अश्लील, अडल्ट, हिंसक या सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील सामग्री के प्रसार को रोकने और कानूनी एवं नैतिक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अब तक 43 ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म ब्लॉक किए गए हैं। सरकार ने आईटी अधिनियम, 2000 के तहत 25 फरवरी 2021 को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया, आचार संहिता) नियम, 2021 को अधिसूचित किया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया, नियमों के भाग-III में डिजिटल समाचार प्रकाशकों और ऑनलाइन क्यूरेटेड सामग्री (ओटीटी प्लेटफॉर्म) के प्रकाशकों के लिए एक आचार संहिता का प्रावधान है। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का दायित्व है कि वे ऐसी कोई भी सामग्री प्रसारित न करें, जो वर्तमान में लागू कानून द्वारा निषिद्ध है।÷

उन्होंने एक प्रश्न के लिखित

उत्तर में बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नियमों की अनुसूची में दिए गए सामान्य दिशानिर्देशों के आधार पर, सामग्री का आयु-आधारित स्व-वर्गीकरण करने के लिए बाध्य हैं, जिसमें नग्नता, यौन और हिंसा से संबंधित चित्रण से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, ओटीटी प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए आयु-अनुचित सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए भी बाध्य हैं, जिसमें पर्याप्त पहुंच नियंत्रण उपाय शामिल हैं। इसके अलावा, आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 79(3)(बी) में संबंधित सरकारों द्वारा मध्यस्थों को गैरकानूनी कार्य या सामग्री की सूचना देने का प्रावधान है ताकि ऐसी सामग्री तक पहुंच को असक्षम किया जा सके।

सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म और ओटीटी प्लेटफॉर्म के स्व-नियामक निकायों को अपने प्लेटफॉर्म पर सामग्री की मेजबानी करते समय भारतीय कानूनों और आईटी नियम, 2021 के तहत निर्धारित आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए पहले ही एक सलाह जारी कर दी है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, संबंधित मंत्रालयों के साथ उचित परामर्श के बाद अब तक 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर दिया गया है। गैरकानूनी और अश्लील सामग्री पर नकेल कसने के लिए, सरकार ने पिछले सप्ताह इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को उल्लू, एएलटीटी और देसीफ्लिक्स जैसे बड़े और लोकप्रिय नामों सहित 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स तक पब्लिक एक्सेस को बंद करने का निर्देश दिया। इस कदम का उद्देश्य ऐसी सामग्री के प्रसार पर अंकुश लगाना था, जिसे यौन रूप से स्पष्ट और भारतीय कानूनी व सांस्कृतिक मानकों का उल्लंघन करने वाला माना जाता है।

प्रतिबंधित ऐप्स में बिग शॉट्स ऐप, बूमेक्स, नवरसा लाइट, गुलाब ऐप, कंगन ऐप, बुल ऐप, जलवा ऐप, वाउ एंटरटेनमेंट, लुक एंटरटेनमेंट, हिटप्राइम, फेनेओ, शोएक्स, सोल टॉकीज, अड्डा टीवी, हॉटएक्स वीआईपी, हलचल ऐप, मूडएक्स, नियॉनएक्स वीआईपी, फुगी, मोजफ्लिक्स और ट्राइफ्लिक्स शामिल हैं।

राहुल गांधी का बड़ा दावाः 'ट्रंप ट्रेड डील में पीएम मोदी को दबाएंगे'

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, संभावित ट्रेड डील के जरिए भारत के प्रधानमंत्री को दबाव में लाने की कोशिश करेंगे। राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री ने ट्रंप का नाम नहीं लिया। ये सबको मालूम है क्या हुआ है, लेकिन प्रधानमंत्री कुछ बोल नहीं पा रहे हैं। अगर उन्होंने सच बोल दिया, तो ट्रंप खुलकर बयान देंगे और पूरी सच्चाई सामने रख देंगे। इसलिए प्रधानमंत्री चुप हैं। उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप बार-बार एक ही बात को दोहरा रहे हैं ताकि वह भविष्य की ट्रेड डील में भारत को झुका सकें। आप देखिएगा, आने वाली ट्रेड डील में क्या शर्तें होती हैं। ट्रंप इस मुद्दे को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करेंगे। इसी मसले पर कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री दोनों ने गोलमोल तरीके से बात की है. उन्हें सीधा कहना चाहिए कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोल रहे हैं. जयशंकर ने जोर देते हुए कहा कि इस सैन्य कार्रवाई को रोकने का व्यापार से कोई संबंध

नहीं था. साथ ही यह भी बताया कि पीएम मोदी और ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से 16 जून के बीच फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई. पीएम मोदी ने भी कल लोकसभा में कहा था कि दुनिया के किसी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा था।

अब 15 अगस्त तक कर सकेंगे पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन

एजेंसी

नई दिल्ली । इस वर्ष के पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/अनुमोदन जमा करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त, 2025 कर दी गई है। गृह मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/अनुमोदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी। गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन/अनुमोदन इस वर्ष की प्रक्रिया इस वर्ष 15 मार्च से चल रही थी, जो गुरूवार (31 जुलाई) को समाप्त होने वाली थी। पद्म पुरस्कार, अर्थात- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की

घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत 'उत्कृष्ट कार्य' के लिए सम्मानित किया जाता है। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी सेवक, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी सेवक भी शामिल हैं, पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार सरकार पद्म पुरस्कारों को पीपल्स पद्म बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अतः सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे नामांकन/सिफारिशें करें।

प्रधानमंत्री दो अगस्त को वाराणसी से जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की अगली किस्त

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसान सम्मान निधि की अगली किस्त 2 अगस्त को जारी करेंगे। प्रधानमंत्री इस बार अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आयोजित एक समारोह में 20वीं किस्त में 9.7 करोड़ किसानों को करीब 20,500 करोड़ की राशि का हस्तांतरण करेंगे।

इस संबंध में बुधवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में 2 अगस्त को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वाराणसी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम और अधिक से अधिक किसानों तक लाभ सुनिश्चित करने की तैयारियों को लेकर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। बैठक में देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और कृषि

विश्वविद्यालयों के निदेशक, कुलपति एवं प्रमुख वर्चुअल माध्यम से शामिल रहे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने वाराणसी में होने वाले आयोजन में राष्ट्रीय, राज्य, जिला और ग्रामीण स्तर पर किसानों को जोड़ने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और देशव्यापी स्तर पर अभियान के रूप में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए रूपरेखा तय करने को कहा। उल्लेखनीय है कि किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत 6 हजार रुपये की राशि 3 किस्तों में जारी होती है और प्रत्येक 4 माह में एक किस्त जारी की जाती है। वर्ष 2019 से शुरू हुई योजना के तहत अब-तक जारी 19 किस्तों में किसानों के खातों में 3.69 लाख करोड़ की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है।

चार देशों के राजनयिकों ने राष्ट्रपति को परिचय पत्र प्रस्तुत किए

एजेंसी

नई दिल्ली । चार देशों डोमिनिकन गणराज्य, तिमोर-लेस्ते, श्रीलंका और गैबोनीज़ गणराज्य के राजदूतों तथा उच्चायुक्तों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किये। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार इन राजनयिकों ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में अपने परिचय पत्र पेश किये। परिचय पत्र प्रस्तुत करने वालों में डोमिनिकन गणराज्य के राजदूत फ्रांसिस्को मैनुअल कॉम्प्रेस हर्नांडेज़, तिमोर-लेस्ते लोकतांत्रिक गणराज्य के राजदूत कार्लिटो नून्स, श्रीलंका की उच्चायुक्त सुश्री प्रदीपा महिशिनी

और गैबोनीज़ गणराज्य के उच्चायुक्त गाय रोड्रिग डिकाय शामिल थे।

एसआईआर विवाद : संसद के बाहर विपक्ष ने किया जोरदार विरोध, भाजपा का पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली । बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर संसद में लगातार गतिरोध बना हुआ है। बुधवार को कांग्रेस समेत विपक्ष के लगभग सभी दलों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। सोनिया गांधी ने एसआईआर के खिलाफ इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद धर्मेंद्र यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष उसके मंसूबों को सफल नहीं होने देगा। वहीं, सपा सांसद आनंद भदौरिया ने मांग की कि सरकार चुनाव आयोग से कहे कि एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए और इस पर संसद में चर्चा कराई जाए। सीपीआई (एमएल) के सांसद राजा राम सिंह ने आरोप लगाया कि एसआईआर भाजपा की साजिश है, जिसके जरिए गरीबों, प्रवासी मजदूरों और महिलाओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इस प्रक्रिया को रद्द किया जाए और संसद में इस पर विस्तृत चर्चा हो।

सीपीआई सांसद पी. संतोष ने भी एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ बिहार का मुद्दा नहीं है, बल्कि इससे पूरे देश की चुनावी व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने चुनाव आयोग पर नियंत्रण कर रखा है और इसीलिए यह प्रक्रिया बंद की जानी चाहिए। विपक्ष के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने जवाब देते हुए कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। 2003 और 2006 में भी यह प्रक्रिया अपनाई गई थी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है और वही इस प्रक्रिया का निर्णय करता है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा, जो लोग संविधान को हाथ में लेकर घूमते हैं, वही संवैधानिक व्यवस्था का सबसे अधिक मजाक उड़ा रहे हैं। एसआईआर चुनाव आयोग की एक स्थापित प्रक्रिया है, जो दशकों से जारी है। इसका विरोध सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ के तहत किया जा रहा है, जो निंदनीय है

आईपीयू में एम. फार्मा प्रोग्राम की काउंसलिंग 8 अगस्त से शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) के एम. फार्मा प्रोग्राम की काउंसलिंग ऑफलाइन मोड में विश्वविद्यालय के द्वारका कैंपस स्थित सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन फार्मास्यूटिकल साइंसेज में 8 अगस्त को आयोजित की जाएगी।

इसमें कुल 60 सीटें उपलब्ध है। इस प्रोग्राम के सभी आवेदक को काउंसलिंग के दिन विश्वविद्यालय के कुलसचिव के नाम निर्गत 96 हजार रुपये का ड्राफ्ट एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज लाने हैं। राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपैट) के उतीर्ण सभी आवेदक जिन्होंने इस प्रोग्राम में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है इस प्रोग्राम की पहली काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। इस सेंटर के निदेशक प्रो. ए. के. नरूला के अनुसार दो वर्ष की अवधि का यह कोर्स पूरी तरह रोजगारोन्मुखी है। कोर्स की समाप्ति के बाद सरकारी एवं निजी क्षेत्र में नौकरी के बहुत सारे अवसर हैं। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की दोनों वेबसाइट पर उपलब्ध है ।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर की पुण्यतिथि पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिक्षाविद एवं चिंतक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी हम सभी को बेहतर समाज निर्माण हेतु प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि महान समाज सुधारक, शिक्षाविद और चिंतक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। रेखा गुप्ता ने कहा कि उनकी दूरदर्शिता, शिक्षा के प्रति समर्पण और सामाजिक सुधारों ने भारत को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि विद्यासागर ने महिला शिक्षा को बढ़ावा देने और समाज में व्याप्त अंधविश्वास के खिलाफ सशक्त आवाज उठाई। उनका जीवन एक प्रेरणा है जो हमें यह सिखाता है कि परिवर्तन शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से ही संभव है। उल्लेखनीय है कि ईश्वर चंद विद्यासागर का जन्म 26 सितंबर 1820 को बिरसिंघा गांव (वर्तमान में मेदिनीपुर जिला, पश्चिम बंगाल) में हुआ था। वह महान शिक्षाविद, समाज सुधारक और एक महान विद्वान थे। उनकी विद्वता के कारण ही उन्हें विद्यासागर की उपाधि दी गई थी। उन्होंने स्त्रियों की शिक्षा और विधवा विवाह कानून के लिए आवाज उठाई। उन्हीं के प्रयासों से साल 1856 में विधवा-पुनर्विवाह कानून पारित हुआ था।

दीवार गिरने से दो की मौत, दो घायल

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइन इलाके में से हो रही बारिश के दौरान एक 15 फुट की दीवार गिर गयी।इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी जबकि दो लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान मीरा (40) और बेटा गनपत (17) के रूप में हुई है। वहीं घायलों की पहचान दशरथ (19) और नन्हे (35) के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल विभाग, डीडीएमए और एनडीआरएफ का दस्ता मौके पर पहुंचा। क्राइम टीम और एफएसएल को भी मौके पर बुला लिया गया। फिलहाल सिविल लाइन पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।दमकल विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 9.53 बजे सूचना मिली कि प्लॉट नंबर एक सिविल लाइन के पास एक दीवार गिर गयी है। खबर मिलते ही तीन दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारी के अनुसार घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि एक 15फुट ऊंची दीवार गिरी है। घटना में चार लोग मलबे में दबे हैं। दमकल कर्मियों ने मलबे को हटाकर चारों को बाहर निकाल कर नजदीकी अस्पतालमें भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने मां-बेटों को मृत घोषित कर दिया।

घटिया राजनीति छोड़कर विपक्ष को देशहित में साथ देना चाहिए - किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा में दिए गए भाषण पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मेरा मानना है कि आज लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के बाद सवाल या संदेह की कोई बात नहीं बची है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सब कुछ स्पष्ट रूप से समझाया और सरकार की मंशा से अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे भारत पहले से कहीं अधिक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरा है। आज प्रधानमंत्री के भाषण के बाद मुझे लगता है कि विपक्ष अपनी घटिया राजनीति छोड़कर उनका और देश का साथ देगा। अगर प्रधानमंत्री के भाषण के बाद भी उनके मन में कोई सवाल है तो मैं कुछ नहीं कह सकता। मुझे बस उन पर तरस आता है। कांग्रेस द्वारा रचा गया नैरेटिव और पाकिस्तान में जो चल रहा है, दोनों बहुत मिलते-जुलते हैं। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, प्रधानमंत्री ने सही कहा है कि संकीर्ण मानसिकता से बयान देने से कुछ हासिल नहीं होगा, सभी को राष्ट्रहित में सोचना चाहिए। अगर चिदंबरम जैसे पूर्व गृह मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की कोशिश करेंगे, तो स्वाभाविक रूप से सभी को इस पर आपत्ति होगी।

दिल्ली सरकार ने महिलाओं को दी नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब महिलाओं को दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में नाइट शिफ्ट यानी चौबीस घंटे की पाली में भी काम करने की अनुमति दे दी गई है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज बताया कि इस फैसले से न केवल कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी बल्कि दिल्ली को 24 घंटे चलने वाले बिजनेस हब के रूप में विकसित करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस फैसले से व्यापार करने में आसानी (ईज ऑफ डूईंग बिजनेस) होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई कड़े नियम बनाए गए हैं। इनमें रात की ड्यूटी के लिए महिला की लिखित सहमति जरूरी होगी, साथ ही सुरक्षित परिवहन,

कार्यस्थल पर सीसीटीवी कैमरे, महिला सुरक्षा गार्ड, रेस्ट रूम, टॉयलेट, लॉकर जैसी सुविधाएं भी अनिवार्य होंगी। कंपनियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम(पीओएसएच) एक्ट के तहत आंतरिक शिकायत समिति भी बनानी होगी। इसके अलावा वेतन का भुगतान बैंक या ईसीएस के जरिए करना होगा और सभी कानूनी लाभ जैसे ईएसआई, पीएफ, बोनस, साप्ताहिक अवकाश व ओवरटाइम का भुगतान भी सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने बताया कि यह बदलाव दिल्ली दुकान एवं स्थापना अधिनियम-1954 की धारा 14, 15 और 16 में दी गई पुरानी बंदिशों को हटाकर किया जा रहा है, जो महिलाओं को रात 8 या 9 बजे के बाद काम करने से रोकती थीं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल की स्वीकृति के लिए भेजा जा रहा है और इस पर पहले ही चर्चा हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में यह सुविधा पहले से लागू है और अब दिल्ली भी उसी दिशा में आगे बढ़ रही है।

कर्मचारी ने कारोबारी के पैसे गबन के लिए रची साजिश, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के खारी बावली में कपड़ा कारोबारी के कर्मचारी ने अपने मालिक का पैसा गबन करने के लिए खुद ही लूट की कॉल कर दी। वारदात असली लगे इसलिए आरोपित ने अपने खुद के हाथ पर ब्लेड मारने के अलावा टी-शार्ट भी काट दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कर्मचारी ने सात लाख रुपये लूटने की बात की थी।

पुलिस ने छानबीन शुरू की तो कुछ ही देर बाद लूट की साजिश से पर्दा उठ गया। पुलिस ने कारोबारी के कर्मचारी राहुल (24) और उसके साथी धर्मेंद्र उर्फ आर्यन (22) और रिशु वर्मा (26) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से लूटे गए 6.36 लाख कैश, लूट की रकम से खरीदा गया 40 हजार का आईफोन और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। वारदात के बाद दो आरोपित टैक्सी में सवार होकर केदारनाथ की यात्रा के लिए रवाना हो गए थे। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद से करीब सौ किलोमीटर पीछा करने के बाद आरोपितों को दबोचा है।

उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि 26 जुलाई की शाम को उनकी टीम को खारी बावली एरिया में सात लाख रुपये लूट की एक कॉल मिली थी। खबर मिलते ही लाहौरी गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शिकायतकर्ता राहुल से पूछताछ की। उसने बताया कि तीन बदमाशों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर रकम लूटी है। जांच हुई तो पता चला कि राहुल ने खुद ही अपने हाथ पर धारदार हथियार से वार किया था। इसके अलावा उसने अपनी टी-शर्ट भी खुद ही काटी थी। सख्ती से पूछताछ करने पर वह टूट गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली पुलिस आयुक्त ने डीपीए की समाचार पत्रिका 'बढ़ते कदम' का किया विमोचन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने पुलिस मुख्यालय में दिल्ली पुलिस अकादमी (डीपीए) की त्रैमासिक समाचार पत्रिका 'बढ़ते कदम' के पहले अंक का विमोचन किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने अकादमी की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह समाचार पत्रिका सार्थक, जानकारी पूर्ण और प्रेरणादायक है। इससे पुलिसकर्मियों को न केवल अकादमी में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी मिलेगी, बल्कि उन्हें अपने कौशल और ज्ञान को उन्नत करने का भी अवसर मिलेगा।इसी क्रम में विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) संजय कुमार ने कहा कि यह समाचार पत्रिका न केवल अकादमी की गतिविधियों और उपलब्धियों को उजागर करेगी, बल्कि प्रशिक्षकों व प्रशिक्षुओं की रचनात्मकता और प्रेरणा का भी मंच बनेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी, उद्देश्यपरक और प्रासंगिक

बनाएगी। पत्रिका के संपादक मोहम्मद अली ने बताया कि 'बढ़ते कदम' दिल्ली पुलिस अकादमी की गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सर्वोत्तम अभ्यासों, और सफलता की कहानियों को उजागर करने वाली त्रैमासिक पत्रिका है। इसमें प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं द्वारा लिखे गए लेख, रिपोर्ट, इंटरव्यू और अनुभव साझा किए जाएंगे, जो अकादमी की कार्यप्रणाली को बेहतर ढंग से दर्शाएंगे।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश ने दिलाई गर्मी से राहत, वायु गुणवत्ता में सुधार

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में हो रही बारिश ने लोगों को गर्मी और उमस से काफी हद तक राहत दिलाई है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 से 4 अगस्त तक बारिश या गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस तक बने रहने की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग की ओर से अभी तक किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। बारिश की वजह से पूरे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में काफी ज्यादा सुधार देखा गया है। अधिकांश स्थानों पर एक्यूआई 'अति उत्तम' (0-50) से 'उत्तम' (51-100) श्रेणी में दर्ज किया गया है। दिल्ली से सटे नोएडा की बात करें तो सेक्टर-125 में एक्यूआई 49, सेक्टर-62 में 40, सेक्टर-1 में 40 और सेक्टर-116 में 37 बना हुआ है। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-III में एक्यूआई 57 और नॉलेज पार्क-V में 88 दर्ज किया गया है। वहीं, गाजियाबाद के लोनी में 59, इंदिरापुरम में 40, संजय नगर में 43 और वसुंधरा में एक्यूआई 49 बना हुआ है। राजधानी दिल्ली की अगर हम बात करें तो दिल्ली के 36 में से अधिकांश स्टेशनों पर एक्यूआई 'अति उत्तम' से 'उत्तम' श्रेणी में है, जिनमें से नॉर्थ कैंपस में 77, द्वारका में 68, ओखला फेज-2 में 32, पंजाबी बाग में 66, पूसा में 70, आईजीआई एयरपोर्ट में 67, आईटीओ में 84 और मुंडका में एक्यूआई 110 बना हुआ है।बारिश

के चलते नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी रही। इससे कई स्थानों पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान और एक्यूआई के आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं।

सलमान खान से मिलने मुंबई निकले थे तीन नाबालिग, नासिक से सकुशल बरामद

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सदर बाजार इलाके से लापता हुए तीन नाबालिग बच्चों को दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन 'मिलाप' के तहत महाराष्ट्र के नासिक रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर उनके परिजनों से मिलवा दिया। तीनों बच्चे अभिनेता सलमान खान से मिलने के लिए एक ऑनलाइन दोस्त के कहने पर मुंबई की ओर रवाना हुए थे। पुलिस के मुताबिक 25 जुलाई को शिकायतकर्ता आबिदा ने थाना सदर बाजार में अपने दो बेटों- 13 वर्षीय और 9 वर्षीय के लापता होने की सूचना दी। उसी दिन मोतिया खान निवासी सुल्तान ने भी अपने 11 वर्षीय बेटे के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। तीनों बच्चे एक ही स्कूल में पढ़ते थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सदर बाजार पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की। जांच में पता चला कि लापता बच्चों में से एक ने एक नोट छोड़ा था, जिसमें एक वाहीद

पुलिस के मुताबिक 25 जुलाई को शिकायतकर्ता आबिदा ने थाना सदर बाजार में अपने दो बेटों- 13 वर्षीय और 9 वर्षीय के लापता होने की सूचना दी।

नामक लड़के से मिलने की बात लिखी थी, जो महाराष्ट्र के जालना का निवासी है। एक बच्चे के पास मोबाइल था, लेकिन वह लगातार बंद आ रहा था। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी के जरिए पुलिस ने बच्चों की लोकेशन अजमेरी गेट की ओर ट्रैक की और अंदेशा जताया कि वे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से जालना जाने वाली ट्रेन पकड़ सकते हैं। पुलिस ने ट्रेन की संभावित रूट की जांच की और मोबाइल टॉवर लोकेशन के जरिए पाया कि बच्चे सचखंड एक्सप्रेस से सफर कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने एक दूसरी ट्रेन से पीछा करना शुरू किया। जालना पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) से संपर्क किया गया, लेकिन वहां बच्चे नहीं मिले। बाद में तकनीकी निगरानी में पता चला कि बच्चों का मोबाइल कुछ सेकंड के लिए ऑन हुआ था। अंतिम लोकेशन नासिक रेलवे स्टेशन की मिली। जहां से पुलिस टीम ने बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वे पिछले डेढ़ साल से फ्री फायर नामक ऑनलाइन गेम खेल रहे थे। जिसके ज़रिए उनकी दोस्ती वाहीद नामक लड़के से हुई। वाहीद ने उन्हें बताया था कि वह सलमान खान से मिल चुका है, जिससे प्रभावित होकर तीनों बच्चे सलमान खान से मिलने मुंबई जाने का मन बना बैठे। जब वाहीद ने बताया कि पुलिस और परिवार वाले उन्हें ढूंढ रहे हैं और वह स्टेशन पर नहीं आ सकता, तब तीनों बच्चों ने योजना बदल दी और मुंबई की बजाय नासिक में उतर गए। वहीं से पुलिस ने उन्हें ढूंढ निकाला। सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद तीनों बच्चों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। बच्चों के मिलने पर उनके परिवार वालों ने राहत की सांस ली और थाना सदर बाजार की पुलिस टीम को दिल से धन्यवाद दिया।

पंजाबी बाग में कपड़ा विक्रेता की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग थाना क्षेत्र के मादीपुर में सरेआम गोली मारकर एक कपड़ा विक्रेता की हत्या कर दी गई। हत्या का कारण बिहार के मधुबनी जिले में प्रॉपर्टी विवाद से जुड़ा है। मृतक की पहचान मोहम्मद मंजूर (45) के रूप में हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देर रात कई आरोपितों को हिरासत में लिया है। विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, मोहम्मद मंजूर राजौरी गार्डन के टीसी कैंप में परिवार के साथ रहता था। वह साप्ताहिक बाजार में कपड़ा बेचने का काम करता था। सोमवार रात करीब 9:30 बजे, जब वह मादीपुर के साप्ताहिक बाजार से घर लौट रहा था। रास्ते में पश्चिम पुरी मेन रोड पर प्रगति अपार्टमेंट के पास उस पर हमला हुआ। हमलावरों ने चार राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक मंजूर के सीने में लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसे संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में प्रॉपर्टी विवाद और पुरानी रंजिश हत्या का कारण सामने आया है। मंजूर मधुबनी में अपने पांच भाइयों के बीच प्रॉपर्टी विवाद में मध्यस्थता कर रहा था। हमलावरों में मंजूर का भतीजा और एक अन्य रिश्तेदार शामिल थे, जिन्होंने स्कूटी पर आकर वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने क्राइम सीन से साक्ष्य जुटाए और क्राइम टीम की मदद से जांच शुरू की।

दिल्ली मेट्रो ने गोल्डन लाइन पर सुरंग निर्माण में एक और उपलब्धि हासिल की

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने फेज-4 के तहत तुगलकाबाद से एरोसिटी कॉरिडोर को जोड़ने वाली गोल्डन लाइन पर सुरंग निर्माण में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) ने तुगलकाबाद और तुगलकाबाद रेलवे कॉलोनी स्टेशन के बीच सुरंग निर्माण में महत्वपूर्ण टनल ब्रेकथ्रू पूरा किया डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि यह टनल लगभग 792 मीटर लंबी है और इसको 91 मीटर लंबी टनल बोरिंग मशीन की मदद से खोदा गया है। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के सदस्य (इन्फ्रास्ट्रक्चर) नवीन गुलाटी और डीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अनुज दयाल के अनुसार इस सेक्शन में दो समानांतर गोल सुरंगें (अप व डाउन लाइन) बनाई जा रही हैं और इनकी औसत गहराई 18 मीटर है। इसमें अब तक 559 रिंग्स लगाए जा चुके हैं, जिनका भीतरी व्यास 5.8 मीटर है। टनल निर्माण में अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मेथड तकनीक का उपयोग किया गया है। टनल के लिए इस्तेमाल किए गए कंक्रीट रिंग्स मुंडका स्थित कास्टिंग यार्ड में पूरी तरह से मशीनी करण प्रणाली के माध्यम से बनाए गए थे। इन

कंक्रीट सेगमेंट्स को स्टीम क्योरिंग सिस्टम द्वारा जल्दी मज़बूती प्रदान की गई ताकि तेजी से निर्माण पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि टनल का निर्माण पहले से बसे क्षेत्रों के नीचे किया गया है। ऐसे में सुरक्षा के लिहाज़ से आसपास के भवनों पर अत्यंत संवेदनशील उपकरणों के जरिए ज़मीन की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी गई। वहीं इस पूरे निर्माण के दौरान कहीं कोई धंसान या संरचनात्मक क्षति नहीं हुई। दयाल ने बताया कि फेज-4 के अंतर्गत कुल 40.109 किलोमीटर भूमिगत मेट्रो लाइन बनाई जा रही है, जिसमें से 19.343 किलोमीटर हिस्सा एरोसिटी से तुगलकाबाद कॉरिडोर में है। यह परियोजना दिल्ली की मेट्रो नेटवर्क को और अधिक व्यापक और सुलभ बनाएगी। उल्लेखनीय है कि टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) एक विशाल मशीन होती है, जो किसी भी प्रकार की मिट्टी या चट्टान के नीचे से गोल आकार में सुरंगें बनाने में सक्षम होती है।

हत्या की गुत्थी सुलझी, तीन आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने बदरपुर बस स्टैंड के पास हुई एक युवक की हत्या और लूट की वारदात को महज 72 घंटे में सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू, लूटा गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की गई है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान सपेरा बस्ती मोलड़बंद निवासी हिमांशु (21), बिजनौर उप्र निवासी मोहसिन उर्फ नूर (20) और बिलासपुर कैंप बदरपुर निवासी दीपक सूर्यवंशी (18) के रूप में हुई है। हिमांशु इससे पहले भी छह आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। मोहसिन एक होटल में काम करता है दक्षिण-पूर्वी जिले के डीसीपी हेमंत तिवारी ने पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि घटना 26 जुलाई की सुबह करीब 5:51 बजे की है। पुलिस को सूचना मिली कि बदरपुर बस स्टैंड के पास एक युवक खून से लथपथ हालत में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में मृतक की पहचान मीठापुर एक्सटेंशन निवासी मकबूल अकरम (25) के रूप में हुई। वह मूलतः पश्चिम चंपारण (बिहार) का रहने वाला था। उसके शरीर पर चाकू के घाव थे और मोबाइल फोन गायब था। डीसीपी के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए एडिशनल डीसीपी ऐश्वर्या शर्मा की देखरेख में जिले की एसटीएफ, एएटीएस व अन्य यूनिट को जांच का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस टीमों ने दिल्ली और हरियाणा में एक हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान पुलिस को एक सीसीटीवी में संदिग्ध स्कूटी नजर आई। जिस पर तीन युवक कई बार मौके के आसपास घूमते देखे गए। उसके बाद अर्पण विहार इलाके में लगे एक कैमरे में तीनों के चेहरे साफ नजर आए।इस बीच हेडकांस्टेबल मोहित ने स्थानीय सूचना के आधार पर स्कूटी सवार एक युवक मोहसिन उर्फ नूर को बसंतपुर (हरियाणा) स्थित एक होटल से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने दो साथियों दीपक और हिमांशु के नाम बताए।

करोल बाग में नकली ऑटोमोबाइल पार्ट्स का भंडाफोड़, 50 लाख के सामान के साथ 11 गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने करोल बाग इलाके में छापेमारी कर नकली ऑटोमोबाइल पार्ट्स के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने अलग-अलग चार ठिकानों पर एक साथ छापे मारकर करीब 50 लाख रुपये के नकली ऑटो पार्ट्स और 19 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। इस दौरान 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक इस छापेमारी में तीन नामी अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के नाम पर बिक रहे नकली ब्रेक शू, चेन सेट, शॉकर, स्पार्क प्लग, इंजन ऑयल, फिल्टर, क्लच प्लेट आदि बरामद किए गए। साथ ही ब्रांडेड पैकिंग मैटेरियल, होलोग्राम, फर्जी लेबल्स और प्रिंटिंग मशीनें भी जब्त की गईं।

पुलिस अधिकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच को 26 जुलाई को करोल बाग के चार ठिकानों शिवाजी स्ट्रीट, गुरु नानक मार्केट, सुभाष मोहल्ला और पूसा लेन में एक साथ छापा मारा। ये सभी जगह नकली पुर्जों के स्टोर और सप्लाई हब के रूप में इस्तेमाल की जा रही थीं। पुलिस ने शिवाजी स्ट्रीट से तीन आरोपित धीरज, अमित और विक्की नागपाल को गिरफ्तार किया। यहां से पुलिस ने नकली चेन सेट, ब्रेक शू और शॉकर बरामद किए। इसी क्रम में गुरु नानक मार्केट से पुलिस ने तीन आरोपित हर्ष, रिंकू और रविंदर को दबोचा। इनके कब्जे से पुलिस ने 8.68 लाख नकद और बड़ी संख्या में नकली स्पार्क प्लग बरामद किये। वहीं क्राइम ब्रांच ने सुभाष मोहल्ला से राघवेंद्र, सचिन और विनोद को दबोचा। इनसे पुलिस ने सात लाख नकद और पैकिंग मैटेरियल बरामद किया। इसके बाद पुलिस ने पूसा लेन से अशोक मल्होत्रा उर्फ आशु और आलोक उर्फ मोंटी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनसे 4.07 लाख नकद और बड़ी मात्रा में फर्जी पैकिंग जब्त की।

गिरफ्तार आरोपितों का प्रोफाइल

मुख्य आरोपित धीरज सिंह, उत्तम नगर का निवासी। वह कॉमर्स ग्रेजुएट है और पिछले चार वर्षों से इस धंधे में लिप्त था। अन्य आरोपित नकली पैकिंग सप्लाई, फर्जी लेबल तैयार करने, नकद लेनदेन छिपाने और मार्केट में माल सप्लाई करने जैसे कामों में शामिल थे।

कैसे करते थे फर्जीवाड़ा

गिरोह सस्ते और घटिया क्वालिटी के पुर्जे खरीदकर नामी ब्रांड्स के नकली लेबल, होलोग्राम और पैकिंग में बेचता था। ये पुर्जे दिखने में असली जैसे लगते थे। जिससे ग्राहक धोखे में आ जाते थे। इन पुर्जों की बिक्री दिल्ली-एनसीआर के अलावा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी की जाती थी।

ग्राहकों की जान से खिलवाड़

पुलिस अधिकारी के अनुसार सबसे खतरनाक बात यह थी कि गिरोह नकली ब्रेक शू और ब्रेक पैड जैसे सुरक्षा से जुड़े अहम पुर्जे भी बेच रहा था, जो गाड़ी में हादसे का कारण बन सकते थे।

सरकारी योजना के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन (आरजीएसएम) के नाम पर फर्जी टेंडर देकर व्यापारियों और विक्रेताओं से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान करुणाकर उर्फ रत्नाकर उपाध्याय और अनिता उपाध्याय के रूप में हुई है। आरोपितों ने फर्जी संस्था आरजीएसएम के नाम पर सरकारी योजना का हवाला देकर स्कूल की वर्दी, बैग और मेडिकल किट की आपूर्ति के बहाने लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की। आर्थिक अपराध शाखा की डीसीपी अमरूथा गुगुलोथ के अनुसार आर्थिक अपराध शाखा में कैप्टन शिवेंद्र सिंह बक्शी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ था। उन्होंने शिकायत में बताया कि आरोपित अनिता उपाध्याय और अन्य ने उन्हें आरजीएसएम के तहत वेंडर रजिस्ट्रेशन और सरकारी टेंडर मिलने का झांसा दिया। स्कूल ड्रेस की आपूर्ति करवाई गई, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। उल्टे, टेंडर आवंटन के नाम पर शिकायतकर्ता से करीब दो करोड़ रुपये की राशि वसूल ली गई। आर्थिक अपराध शाखा को अब तक ऐसे तीन और व्यापारी मिले, जिन्होंने इसी प्रकार की ठगी की शिकायत की। डीसीपी के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की गई। छानबीन में सामने आया कि रत्नाकर उपाध्याय ने आरजीएसएमके नाम से फर्जी वेबसाइट बनाई और अनिता उपाध्याय ने एक बैंक खाता खोला। शिकायतकर्ता से पैसे इस खाते में ट्रांसफर कराए गए। बैंक रिकॉर्ड से पता चला है कि 3.5 करोड़ रुपये की राशि फर्जी ट्रस्ट के खाते से निकालकर व्यक्तिगत उपयोग में लाई गई। अनिता उपाध्याय, जो इस कथित ट्रस्ट की मुखिया थी। उसे भी बड़ी राशि खाते से लाभ के रूप में मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपितों को दो अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया। डीसीपी के अनुसार जांच में पता चला है कि पकड़ा गया रत्नाकर उपाध्याय (40) पहले से उप्र और छत्तीसगढ़ में कई आपराधिक मामलों में शामिल है। दिल्ली के पहाड़गंज थाने में बलात्कार के मामले में भी वह आरोपित है। वहीं अनिता उपाध्याय (35) फर्जी ट्रस्ट आरजीएसएम की मुखिया, छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा भी पूर्व में इसी तरह के मामले में गिरफ्तार हुई है। डीसीपी ने लोगों से अपील की है कि किसी भी सरकारी योजना, टेंडर या निवेश से पहले संबंधित विभाग की अधिकृत वेबसाइट या कार्यालय से पुष्टि करें। नकद भुगतान से बचें और बैंकिंग माध्यम से भुगतान करें। इसके साथ ही रसीद अवश्य लें।

संपादक की कलम से

वीर सावरकर का स्वप्न अवसर गवां दिया!

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने वीर सावरकर के अखंड हिंदुस्थान के सपने को साकार करने का अवसर खो दिया है। अब भक्तों ने सूत्रों के हवाले से ऐसी खबर फैला दी है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान से बाकी कश्मीर की मांग की है। हमारा लक्ष्य पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस पाना है। पहले पीओके हमें सौंपें, तभी हम पाकिस्तान से बात कर सकते हैं। ऐसे शब्दों में मोदी ने हड़काया है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने कब और किसे हड़काया है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को वापस हासिल कर भारतीय सेनाओं ने वीर सावरकर को श्रद्धांजलि देने की तैयारी शुरू कर दी थी। अगर चार दिन और युद्ध होता तो भारत के कदम पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर पड़ जाते, लेकिन अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप ने सत्यानाश कर दिया। भाजपा और शिंदे गुट के लोगों का कहना है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना ने वीर सावरकर का विचार छोड़ दिया है। अब उन्हें अमेरिकी एंबेसी के सामने प्रेसिडेंट ट्रंप के पुतले जलाने चाहिए। कश्मीर से लेकर रामेश्वरम तक, सिंध से लेकर असम तक एक और अविभाज्य भारत की संकल्पना वीर सावरकर ने ही प्रतिपादित की थी। वीर सावरकर का स्वप्न स्पष्ट एवं पवित्र था। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी शिंदे मंडली वीर सावरकर के नाम का इस्तेमाल राजनीति के लिए कर रहे हैं। कलम तोड़ बंदूक उठा स्वतंत्रता संग्राम में वीर सावरकर द्वारा दिया गया मंत्र था, लेकिन नकली सावरकर भक्तों ने अखंड भारत के लिए लड़ाई लड़नेवाली सेना के हाथ में मौजूद बंदूकों को ही म्यान में डलवा दी। अखंड हिंदू राष्ट्र कोई दान नहीं देगा। हमें लड़कर, युद्ध कर इसे हासिल करना होगा। हिंदू राष्ट्र हिंदुत्व का एक अंश है। असिंधु सिंधु पर्यंता यस्य भारत भूमिका पर हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र का विश्वास करनेवाले वीर सावरकर ने कहा था।

पितृभूः पुण्यभूश्चैव स वै हिन्दुरिति स्मृतः ।। सावरकर ने हिंदू की परिभाषा इस प्रकार दी कि जो कोई सिंधु से समुद्र तक पैष्ठली भारत भूमि को अपनी पितृभूमि और पुण्यभूमि मानता है वह हिंदू है। वीर सावरकर अखंड भारत के पुरोधा थे और प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, महाराष्ट्र के शिंदे जैसे लोग मानते हैं कि वे वीर सावरकर के अखंड विचारों के समर्थक हैं, लेकिन जब वह अखंड विचार रुप ले रहा था, तब इन सभी लोगों ने गड़बड़ी क्यों की? इसे एक रहस्य ही कहा जाना चाहिए। गोडसे समर्थकों का कहना है कि नाथूराम गोडसे ने गांधीजी की हत्या इस गुस्से में की थी, क्योंकि गांधीजी ने विभाजन को मंजूरी दी थी जिसके चलते पाकिस्तान हमारी छाती पर मूंग दलने बैठ गया। बाद में गोडसे को फांसी दे दी गई, लेकिन उसकी अस्थियों को उसकी इच्छा के अनुसार विसर्जित नहीं किया गया। नाथूराम गोडसे की वसीयत में कहा गया है कि उनकी अस्थियों का विसर्जन तभी किया जाना चाहिए जब अखंड भारत हो जाए। मोदी काल में गोडसे के विचारों को मान्यता दी गई और गोडसे की जयंती और पुण्यतिथि भी मनाई जा रही है, लेकिन अगर अचानक युद्धविराम स्वीकार किए बिना चार दिन और युद्ध जारी रहता तो कश्मीर, लाहौर और कराची को भारत में मिलाया जा सकता था और गोडसे की अस्थियों को विसर्जित किया जा सकता था। यह एक पुण्य भी मोदी भक्तों ने गवां दिया है। मोदी और उनके लोग वीर सावरकर का स्वप्न भी पूरा नहीं कर सके और गोडसे की अस्थियां भी विसर्जित नहीं कर सके। हम सावरकर के सपनों का अखंड भारत साकार करेंगे यह घोषणा भी एक लफ्फाज बनकर रह गई। वीर सावरकर की संकल्पना का अखंड हिंदू राष्ट्र का भविष्य देश की आजादी की लड़ाई में खंडित होने के बाद भी सावरकर ने कहा था, हे सिंधु, मैं तुम्हें नहीं भूलूंगा। या तो मैं पागल ठहराया जाऊंगा या भविष्यवादी ठहराया जाऊंगा। उनके इस स्मरणीय उद्गार से हम व्यथित हो गए हैं। इस समय हमें इस क्षण में वीर सावरकर के गहरे आदर्शवाद की छवि दिखाई देती है, जो आज के राजनीतिक कोलाहल, चुनावी नारों या व्यवसाय में समाने या दशार्ने योग्य नहीं है। युद्ध रोकने से पहले पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर कब्जा तो कर लिया होता। गेलाबाजार बलूचिस्तान का टुकड़ा कर बदला लेना चाहिए था। भारतीय सेना ने युद्ध में अपने वीरों का बलिदान दिया, नागरिकों ने अपनी जान गंवाई, लेकिन हाथ क्या लगा? एक खबर थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की मांग की है। जो चीजें लड़कर प्राप्त की जाती हैं, वह मांग कर नहीं मिलतीं। प्रधानमंत्री मोदी ने तालियां बटोरने वाला डायलॉग मारा, अगर पाकिस्तान दोबारा गोलीबारी करता है तो आपको गोला यानी बम दागना चाहिए। आखिर पाकिस्तानियों को गोली चलाने के लिए जीवित क्यों छोड़ दिया गया? वीर सावरकर की आत्मा भी यही सवाल पूछ रही होगी। मोदी, शिंदे आदि ने वीर सावरकर के नाम पर राजनीति करने का अधिकार खो दिया है। सावरकर का अखंड हिंदू राष्ट्र का सपना इसी वक्त तक साकार हो चुका होता। मोदी और उनके लोगों ने वह अवसर गवां दिया है!

मानव सभ्यता का शिखर एवं रिश्तों का स्वर्ग है परिवार

ललित गर्ग

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियांः सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया जाएगा, जिसमें सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विकास एजेंडा में परिवार-केंद्रित नीतियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया जाएगा। परिवार में रिश्तों की एक मजबूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फर्ज है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में पारिवारिक

एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है।

आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं।

भारत गांवों का देश है, परिवारों का देश है, शायद यही कारण है कि न चाहते हुए भी आज हम विश्व के सबसे बड़े जनसंख्या वाले राष्ट्र के रूप में उभर चुके हैं और शायद यही कारण है कि आज तक जनसंख्या दबाव से उपजी चुनौतियों के बावजूद, एक परिवार के रूप में, जनसंख्या नीति बनाये जाने की जरूरत महसूस नहीं की। ईंट, पत्थर, चूने से बनी दीवारों से घिरा जमीं का एक हिस्सा घर-परिवार कहलाता है जिसके साथ मैं और मेरापन जुड़ा है। संस्कारों से प्रतिबद्ध संबंधों की संगठनात्मक इकाई उस घर-परिवार का एक-एक सदस्य है। हर सदस्य का सुख-दुख एक-दूसरे के मन को छूता है। प्रियता-अप्रियता के भावों से मन प्रभावित होता है। घर-परिवार जहां हर सुबह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जुगाड़ में धूप चढ़ती है और आधी-अधूरी चिंताओं का बोझ ढोती हुई हर शाम घर-परिवार आकर ठहरती है। कभी लाभ, कभी हानि, कभी सुख, कभी दुख, कभी संयोग, कभी वियोग, इन द्वंद्वात्मक परिस्थितियों के बीच जिंदगी का कालचक्र गति करता है।

आदमी की हर कोशिश घर-परिवार बनाने की रहती है। सही अर्थों में घर-परिवार वह जगह है जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन सुख-दुख की साझेदारी, सबमें सबक होने की स्वीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का पूरा अवकाश है। अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली से जीता है। वृद्धत्व जीए गए अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसा घर-परिवार निश्चित रूप से पूजा का मंदिर बनता है।

परिवार एक संसाधन की तरह होता है। फिर क्या कारण है कि आज किसी भी घर-परिवार के वातायन से झांककर देख लें-दुख, चिंता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, पक्षपात, विवाद, विरोध, विद्रोह के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ होगा। विचारभेद मनभेद तक पहुंचा देगा। विश्वास संदेह में उतर आएगा। ऐसी अनकही तनावों की भीड़ में आदमी सुख के एक पल को पाने के लिए तड़प जाता है। कोई किसी के सहने/समझने की कोशिश नहीं करता। क्योंकि उस घर-परिवार में उसके ही अस्तित्व के दायरे में उद्देश्य, आदर्श, उम्मीदें, आस्था, विश्वास की बदलती परिधियां केंद्र को ओझल कर भटक जाती हैं। विघटन शुरू हो जाता है। भारतीय परिवार में परिवार की मयार्दा और आदर्श परंपरागत है। विश्व के किसी अन्य समाज में गृहस्थ जीवन की इतनी पवित्रता, स्थायीपन, और पिता-पुत्र, भाई-भाई और पति-पत्नी के इतने अधिक व स्थायी संबंधों का उदाहरण प्राप्त नहीं होता। विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों में सम्पत्ति के अधिकार, विवाह और विवाह विच्छेद आदि की प्रथा की दृष्टि से अनेक भेद पाए जाते हैं, किंतु फिर भी संयुक्त परिवार का आदर्श सर्वमान्य है। अधिकतर परिवार में तीन पीढ़ियों और कभी कभी इससे भी अधिक पीढ़ियों के व्यक्ति एक ही घर में, अनुशासन में और एक ही रसोईघर से संबंध रखते हुए सम्मिलित संपत्ति का उपभोग करते हैं और एक साथ ही परिवार के धार्मिक कृत्यों तथा संस्कारों में भाग लेते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों में संपत्ति के नियम भिन्न हैं, फिर भी संयुक्त परिवार के आदर्श, परंपराएं और प्रतिष्ठा के कारण इनका सम्पत्ति के अधिकारों का व्यावहारिक पक्ष परिवार के संयुक्त रूप के अनुकूल ही होता है। संयुक्त परिवार का कारण भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के अतिरिक्त प्राचीन परंपराओं तथा आदर्श में निहित है। रामायण और महाभारत की गाथाओं द्वारा यह आदर्श जन-जन में संप्रेषित है। इंसानी रिश्तों एवं पारिवारिक परम्परा के नाम पर उठा जिन्दगी का यही कदम एवं संकल्प कल की अगवानी में परिवार के नाम एक नायाब तोहफा होगा।

प्रेषकः

क्या सौदा हुआ?

भारत एक संप्रभु एवं स्वतंत्र राष्ट्र है। किसी भी बाहरी राष्ट्र को हमारे राष्ट्र के मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है, लेकिन अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष में हस्तक्षेप किया है और भारत ने ट्रंप के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। ट्रंप ने अपने एक्स अकाउंट पर पारस्परिक रूप से घोषणा की कि भारत ने युद्धविराम स्वीकार कर लिया है। तब तक भारतवासियों और भारतीय सेना को इस युद्धविराम के बारे में जानकारी नहीं थी। प्रेसिडेंट ट्रंप को सरपंच का यह अधिकार किसने दिया? १९७१ के भारत-पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच हुए शिमला समझौते के अनुसार, तीसरे देशों को दोनों देशों के बीच संघर्ष में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन अब भारत के प्रधानमंत्री ने ही शिमला समझौते का उल्लंघन किया। भारत ने ट्रंप के दबाव के आगे झुककर युद्धविराम को मंजूरी दे दी, लेकिन क्या ऑपरेशन सिंदूर या पाकिस्तान का बदला पूरा हो गया है? इसका जवाब देश को नहीं मिला। पाकिस्तान अभी भी उसी तरह खड़ा है और पाकी प्रधानमंत्री ने यह घोषणा करके कि हमने युद्ध जीत लिया है, पहलगाम हमले में सिंदूर खोने वाली २६ बहनों के घावों पर नमक छिड़क दिया। जबकि यह सब हो रहा है, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। युद्ध शुरू होने से पहले गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में गरजते हुए कहा था कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का ही हिस्सा है। हम इसके लिए अपनी जान दे देंगे, लेकिन जब भारतीय सेना इस कश्मीर को लेने के लिए आगे बढ़ी तो मोदी-शाह ने सीधे युद्धविराम स्वीकार कर लिया और प्रेसिडेंट ट्रंप के सामने शरणागत हो गए। पाकिस्तान के साथ संघर्ष में कल तक सात जवानों का बलिदान हुआ, क्या वे व्यर्थ गए? पाक हमले में पुंछ, राजौरी में १२ निर्दोष नागरिक मारे गए उनकी क्या गलती थी? पाकिस्तान के साथ युद्ध शुरू होते ही प्रधानमंत्री मोदी का जोश इस तरह था कि अब वे पीछे नहीं हटेंगे। मोदी के जोश के चलते देश और सेना में नई ऊर्जा का निर्माण होते ही प्रेसिडेंट ट्रंप ने विघ्न डाल दिया। पाकिस्तान के हमले में सात भारतीय जवान शहीद हुए। इन्हीं में से एक हैं मुंबई के मुरली नाईक और इस युवा शहीद की उम्र महज २३ साल है। उरी सेक्टर में पाकिस्तानी गोलीबारी का जवाब देते हुए मुरली नाईक और दिनेश शर्मा वीरतापूर्वक शहीद हो गए। दिनेश शर्मा भी एक युवा सिपाही हैं। दोनों पुंछ सेक्टर में पाकिस्तान से भिड़ गए। उन्होंने देश के लिए अद्वितीय वीरता दिखाई और भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। ऐसे हजारों दिनेश शर्मा, मुरली नाईक भारतीय सीमा पर लड़ रहे हैं और सीने पर गोलियां खा रहे हैं। मुरली नाईक के माता-पिता घाटकोपर की झोपड़पट्टी में रहते हैं। मेहनत-मजदूरी करके घर चलाते हैं। भारत माता की रक्षा के लिए देश की सीमा पर लड़ते हुए एक इकलौता बेटा शहीद हो गया। मुरली के पिता ने कहा मुझे गर्व है कि मेरा बेटा देश के लिए न्योछावर हो गया है, लेकिन उन्हें भी कलेजे के टुकड़े को खोने का दुख तो होगा ही। जिन्हें युद्ध का राजनीतिक उन्माद चढ़ा है, उन्हें यह याद रखना चाहिए। जो युद्ध के राजनीतिक उन्माद में बेहोश हो चुके हैं, जिन्होंने कभी देश के लिए त्याग नहीं किया।

मोदी-उद्बोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में न केवल पाकिस्तान को चेताया बल्कि उसको उसकी जमीन भी दिखायी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रखर एवं प्रभावी नीति को पूरी दुनिया के सामने बड़ी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा। उनका संबोधन न केवल भारत की भावना की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह हमारे देश के सैन्य, कूटनीतिक, नैतिक बल की प्रस्तुति एवं दो सौ अस्सी करोड़ तनी हुई मुट्ठियों की चेतावनी भी है। यह कोरा उद्बोधन नहीं, बल्कि एक जागृत राष्ट्र के साहस एवं हौसलों की उड़ान है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची और नये पैमाने तय किये। पाकिस्तान की समझौते की गुहार को भी सुना, एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए भारत का यह कदम आशा एवं उम्मीद की बहुत बड़ी किरण है। लेकिन पाकिस्तान पर एक्शन सिर्फ स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। 22 मिनट का यह संबोधन पाकिस्तान के लिये एक सीख भी है और सबक भी। साथ ही यह एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की भी उन्होंने खुल कर सराहना की एवं वीरगाथा सुनाई है। भारतीय सेनाओं पर जहां पूरे देश को नाज है, वहीं प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व पर समूचे देश को भरोसा है और आज हमारा देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के समूल नाश के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। सिंदूर पोंछने का अंजाम अब हर आतंकी को पता चल गया है। मोदी ने साफ किया कि अब वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा और इस बार का प्रहार विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा।

पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। मोदी ने स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज के साम्प्रदायिक सौहार्द एवं समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने साहस एवं निर्भीकता से पाक की आतंकी मानसिकता को दुनिया के सामने उजागर किया। आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है और भारत ने अपनी शक्ति को दिखाते हुए न केवल पाकिस्तान को पस्त किया बल्कि दुनिया को चौंकाया भी है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली एवं सकारात्मक होने का आह्वान है।

मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें इक्कीसवीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है और ये स्थितियां हमने पाक के खिलाफ एक्शन में देख ली है। मोदी ने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया और कहा कि जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा।

वायु प्रदूषण और शोर की दोहरी मार से बढ़ सकता है स्ट्रोक का खतरा, रिसर्च में हुआ खुलासा

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में वायु प्रदूषण और शोरगुल एक आम बात हो गई है. हम रोज अपने आस-पास धूल, धुआं और ट्रैफिक के शोर से घिरे रहते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि ये दोनों चीजें मिलकर हमारे दिमाग पर खतरनाक असर डाल रही हैं? हाल ही में एक रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. वायु प्रदूषण और सड़क के शोर की दोहरी मार से स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ सकता है.

डेनमार्क में की गई इस स्टडी में करीब 3.5 मिलियन लोगों के डेटा का विश्लेषण किया गया. यह अध्ययन करीब 10 सालों तक किया गया. रिसर्च में यह पाया गया कि जिन इलाकों में वायु प्रदूषण और सड़क का शोर ज्यादा था, वहां लोगों को स्ट्रोक होने का खतरा भी ज्यादा देखा गया. इस स्टडी में खासतौर पर दो मुख्य कारणों पर ध्यान दिया गया.

गाड़ियों से होने वाला लगातार शोर

हवा में मौजूद बारीक प्रदूषण कण और गाड़ियों से होने वाला लगातार शोर का जब असर एक साथ होता है, तो हमारे मस्तिष्क की नसों पर बुरा असर पड़ता है, जिससे स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है.

कैसे करता है वायु प्रदूषण नुकसान?

हवा में मौजूद बारीक कण (ढट2.5) हमारे फेफड़ों के जरिए खून में पहुंच जाते हैं. ये कण खून में सूजन पैदा करते हैं और धमनियों को नुकसान पहुंचाते हैं. इससे खून का बहाव प्रभावित होता है, जो स्ट्रोक का मुख्य कारण बन सकता है. इसके अलावा, प्रदूषण से शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन जैसी समस्याएं भी होती हैं, जो दिमाग की नसों को कमजोर कर सकती हैं. लगातार ट्रैफिक का शोर या तेज आवाजें मस्तिष्क के लिए तनाव का कारण बनती हैं. जब इंसान लंबे समय तक शोर में रहता है, तो उसकी नींद पर असर पड़ता है, दिल की धड़कन तेज होती है और मानसिक थकावट बढ़ जाती है. शोधकताओं के अनुसार, शोर हमारे नर्वस सिस्टम को एक्टिव रखता है, जिससे हार्मोनल बदलाव होते हैं ।

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने की असॉल्ट राइफलों पर प्रतिबंध की मांग

एजेंसी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क की डेमोक्रेटिक गवर्नर कैथी होचुल ने अमेरिका की संघीय सरकार से आग्रह किया है कि वह हमलावर अर्धस्वचालित हथियारों (असॉल्ट राइफलों) की बिक्री पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लगाए। हाल ही में हुई गोलीबारी की घटनाओं के बाद उन्होंने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया और इसे निर्दयी और कायराना हमला करार दिया। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में गवर्नर होचुल ने कहा, हमारे पास पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर असॉल्ट वेपन्स बैन था और उसने काम किया। अब समय आ गया है कि कांग्रेस, खासकर रिपब्लिकन सांसद, साहस दिखाएं और इस प्रतिबंध को फिर से लागू करें। गवर्नर ने देश में बढ़ती सामूहिक गोलीबारी की घटनाओं को देखते हुए कहा कि ऐसे हथियार आम नागरिकों के हाथों में नहीं होने चाहिए। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गोलीबारी की घटनाओं में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे न्यूयॉर्क राज्य में सभी सरकारी इमारतों पर झंडे आधा झुकाए जाएंगे। गवर्नर होचुल पहले भी बंदूक नियंत्रण कानूनों को लेकर मुखर रही हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क राज्य में कई कड़े कानूनों को लागू किया है, जिनमें अर्धस्वचालित हथियारों की बिक्री पर राज्य स्तरीय सीमाएं, व्यापक पृष्ठभूमि जांच और मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन जैसे उपाय शामिल हैं।

यूरोपीय दवा कंपनियों ने ट्रंप के मेडिसिन टैरिफ को बताया 'अनुचित'

ब्रसेल्स/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोपीय संघ (ईयू) से आयातित दवाओं पर 15 फीसदी आयात शुल्क (टैरिफ) लगाए जाने की योजना पर यूरोपीय दवा उद्योग ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। यूरोपीय फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज फेडरेशन (ईएफपीआईए) ने इसे ब्लंट इंस्ट्रूमेंट यानी एक ऐसा असंवेदनशील उपाय करार दिया है जो ट्रांस-अटलांटिक मरीजों और अनुसंधान निवेश दोनों के लिए नुकसानदायक होगा। व्हाइट हाउस द्वारा साझा किए गए एक समझौते के मसौदे में बताया गया कि यह लागू होता है, तो ईयू से अमेरिका में आयातित ऑटो, ऑटो पार्ट्स, अर्धचालक (सेमीकंडक्टर्स) और दवाओं पर 15 फीसदी टैरिफ लगेगा। ईएफपीआईए ने स्पष्ट रूप से कहा, दवाओं पर शुल्क लगाना एक ऐसा तरीका है जो आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करेगा, अनुसंधान और नवाचार में निवेश को प्रभावित करेगा और अंततः मरीजों को दवा तक पहुंच को नुकसान पहुंचाएगा। यह संस्था जर्मनी की बायर, डेनमार्क की नोवो नॉर्डिस्क और आयरलैंड में कार्यरत अमेरिकी कंपनियों फाइजर तथा जॉनसन एंड जॉनसन जैसी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करती है।

जेलेंस्की ने ईयू सदस्यता को लेकर डेनमार्क पीएम से की बात, भ्रष्टाचार विरोधी सुधार पर भी चर्चा

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन के साथ यूरोपीय संघ (ईयू) की सदस्यता को लेकर एक महत्वपूर्ण बातचीत की। यह चर्चा उस समय हुई जब डेनमार्क वर्ष के अंत तक ईयू की अध्यक्षता कर रहा है। जेलेंस्की ने इसे यूक्रेन के लिए आवश्यक निर्णयों को लागू करने का सर्वोत्तम समय बताया। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर पोस्ट कर कहा, हम इस समय का अधिकतम लाभ उठाना चाहते हैं, ताकि ईयू की सदस्यता के लिए आवश्यक सभी शर्तों को पूरा कर सकें। हमारी ओर से हम हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। बातचीत के दौरान भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों को लेकर चल रहे विवाद का भी जिक्र किया गया। जेलेंस्की ने कहा कि इन एजेंसियों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने वाला एक नया विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने बताया कि यह बिल ईयू की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जेलेंस्की ने डेनमार्क के समर्थन के लिए आभार जताते हुए कहा, हमने सहमति जताई है कि संसद को इस सप्ताह इस विधेयक पर त्वरित रूप से मतदान करना चाहिए।

ओली के प्रस्तावित भारत दौरे में पंचेश्वर समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद

काठमांडू। ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री दीपक खड़का ने कहा है कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के प्रस्तावित भारत भ्रमण के समय लंबे समय से लंबित पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इस तरह से आगे बढ़ाने के लिए तैयारी का काम चल रहा है, जिससे नेपाल और भारत दोनों को लाभ होने की उम्मीद है। ऊर्जा मंत्री खड़का ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की 16 सितंबर को प्रस्तावित भारत की आगामी यात्रा के दौरान परियोजना पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए आधारभूत कार्य पर काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। खड़का ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान परियोजना से संबंधित अनसुलझे मुद्दों को द्विपक्षीय चर्चाओं के माध्यम से संबोधित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नेपाल में ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण क्षमता है, लेकिन संसाधनों की बाधाओं, कानूनी बाधाओं और वित्तीय चुनौतियों के कारण पश्चिमी सेती जैसी प्रमुख परियोजनाएं वर्षों से रुकी हुई हैं। नेपाल और भारत ने 12 फरवरी, 1996 को महाकाली संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसमें महाकाली नदी पर शारदा, टनकपुर और पंचेश्वर परियोजनाओं का संयुक्त विकास शामिल था।

रूस के कामचटका में 8.7 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी, हाई अलर्ट पर आपातकालीन सेवाएं

एजेंसी

मॉस्को । रात करीब 11:24 बजे (जीएमटी) रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र कामचटका में 8.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई।भारतीय दूतावास ने कैलिफोर्निया और अमेरिका के अन्य पश्चिमी तटीय राज्यों में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। भूकंप के बाद प्रशांत महासागर के कई हिस्सों में सुनामी का खतरा मंडरा रहा है, जिसकी वजह से आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर है।अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र रूस के सुदूर पूर्वी इलाके के एक बड़े शहर पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 125 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में अवाचा खाड़ी के पास था। इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रशांत महासागर में आए भीषण

भूकंप के कारण, हवाई में रहने वालों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। अलास्का और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रशांत तट पर सुनामी निगरानी जारी है। जापान भी खतरे में है। उन्होंने आगे कहा, नई जानकारी के लिए कृपया सुनामीडॉटजीओवी पर जाएं। मजबूत रहें और सुरक्षित रहें। यूएसजीएस ने पहले इस भूकंप की तीव्रता 8.0 बताई थी, लेकिन बाद में नए आंकड़ों के आधार पर इसे 8.7 कर दिया गया। भूकंप 19.3 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिसके कारण सतह पर तीव्र झटके महसूस किए गए और सुनामी का खतरा बढ़ गया। यूएसजीएस ने चेतावनी दी कि भूकंप के तीन घंटे के भीतर रूस और जापान के तटीय क्षेत्रों में विनाशकारी सुनामी लहरें पहुंच सकती हैं। इस भूकंप के बाद प्रशांत महासागर के कई हिस्सों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने और स्थानीय आपातकालीन निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। रूस और पड़ोसी देशों में आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं, और बाद में आने वाले झटकों की आशंका जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर भूकंप की तीव्रता को दर्शाने वाले कई वीडियो सामने आए हैं।

एपस्टीन केस के धागों में उलझे ट्रंप, गिस्लेन मैक्सवेल ने गवाही के लिए रखी शर्त

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका की राजनीति में इस समय हलचल मचा रहे यौन शोषण और नाबालिग लड़कियों की तस्करी के केस में दोषी गिस्लेन मैक्सवेल ने गवाही देने के लिए शर्त रखी है। अपने गुनाहों के लिए जेल में बंद यह महिला आरोपित अरबपति जेफरी एपस्टीन की मित्र है। एपस्टीन की जेल में मौत हो चुकी है। इस केस में कुछ समय से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सवालों का सामना करना पड़ रहा है। द वाशिंगटन पोस्ट की खबर के अनुसार, दोषी सह साजिशकर्ता गिस्लेन मैक्सवेल के वकीलों ने इस संबंध में सोमवार को कांग्रेस को एक पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि वह बिना किसी छूट या अपनी 20 साल की जेल की सजा कम करने के ट्रंप के आदेश के बिना गवाही देने को तैयार नहीं है। जेफरी एपस्टीन ने 2019 में यौन तस्करी के आरोप में गिरफ्तारी और आरोप लगने के कुछ ही समय बाद एक संघीय जेल की कोठरी में फांसी लगा ली थी। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, एक दशक से भी अधिक समय पहले एक जांच के दौरान एपस्टीन ने फ्लोरिडा में राज्य के आरोपों पर गुनाह कुबूल किया था। इसके बाद नाबालिग लड़कियों को यौन संबंध बनाने के बदले पैसे देने के अपराध में उसे हल्की सजा मिली थी। एपस्टीन की मृत्यु के बाद मैक्सवेल पर उन नाबालिग लड़कियों को जाल में फंसाने की साजिश रचने का आरोप लगा। उसे अदालत ने दोषी ठहराया। कुछ माह पहले तक अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी और ट्रम्प के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एपस्टीन की जांच से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलें सार्वजनिक करने का दम भरते रहे हैं। इस महीने उन्होंने रुख पलटते हुए कहा कि कोई और जानकारी नहीं दी जाएगी। खबरों में किए गए दावों के अनुसार, ट्रंप और एपस्टीन लंबे समय तक मित्र रहे हैं।

कई देशों ने सुनामी की चेतावनी जारी की

एजेंसी

बीजिंग । रूस के कामचटका प्रायद्वीप में बुधवार सुबह 8.7 तीव्रता के भूकंप के बाद चीन, पेरू और इक्वाडोर सहित प्रशांत महासागर में कई देशों के तटीय इलाकों के लिए सुनामी चेतावनी जारी की गई है। इससे पूरे प्रशांत क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है। शक्तिशाली भूकंप का केंद्र पेट्रोपाव्लोव्स्क-कामचत्स्की शहर से लगभग 119 किमी दूर था, जो रूस का एक शहर है जिसकी आबादी 1.8 लाख के करीब है। इस भूकंप के बाद रूस, जापान, अमेरिका (हवाई और अलास्का), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और प्रशांत महासागर के कई द्वीप देशों में तुरंत सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई।अधिकारियों ने भूकंप के केंद्र के करीब, खासकर कामचटका प्रायद्वीप में कई इलाकों से तुरंत लोगों को खाली कराने का काम शुरू कर दिया, क्योंकि वहां 3-4 मीटर (10-13 फीट) ऊंची सुनामी लहरों की चेतावनी मिली थी। एहतियात के तौर पर संवेदनशील तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को ऊंचे क्षेत्रों या सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। अधिकारियों का मानना है कि चीन के पूर्वी तटीय क्षेत्रों में सुनामी की लहरें पहुंच सकती हैं, इसलिए वे इस

बारे में गंभीर रूप से चिंतित हैं। राष्ट्रीय संसाधन मंत्रालय ने एक सलाह में बताया कि नवीनतम चेतावनी और विश्लेषणों के आधार पर मंत्रालय के सुनामी सलाहकार केंद्र ने तय किया है कि भूकंप ने सुनामी उत्पन्न की है, जिससे चीन के कुछ तटीय क्षेत्रों को क्षति पहुंचने का खतरा है। लहरों की ऊंचाई 30 सेंटीमीटर से लेकर एक मीटर तक होने का अनुमान है। पेरू की नौसेना ने राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र के आकलन के आधार पर अपने तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी चेतावनी जारी की है। पेरू की नौसेना के जल सर्वेक्षण एवं नौवहन निदेशालय ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र के विश्लेषण और मूल्यांकन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि भूकंप के कारण पेरू के तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी उत्पन्न हुई है। इक्वाडोर के अधिकारियों ने आसन्न सुनामी के खतरे को देखते हुए गैलापागोस द्वीपसमूह के लिए निवारक निकासी की घोषणा की है।इक्वाडोर के जोखिम प्रबंधन सचिवालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र द्वारा विश्लेषण और मूल्यांकन के बाद यह निर्धारित किया गया है कि यह घटना पेरू के तट के लिए सुनामी की चेतावनी है। प्रशांत महासागर के विभिन्न क्षेत्रों में भूकंपीय तरंगों के प्रभाव के कारण जापान, रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र और हवाई जैसे अमेरिकी क्षेत्र हाई अलर्ट पर हैं।

बलूचिस्तान में बीएलएफ के हमले में तीन मेजर ढेर, खैबर पख्तूनवा में सेना ने चार आतंकी मारे

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आजादी के लिए संघर्षरत बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने मेजर रैंक के तीन अधिकारियों को मारने का दावा किया है। वहीं, खैबर पख्तूनवा प्रांत के बाजौर जिले में शुरू किए सेना के ऑपरेशन सरबकाफ के तहत कम से कम चार आतंकवादियों को मार गिराने की बात कही जा रही है। बाजौर जिले में तीन दिन का कर्फ्यू लगाकर यह ऑपरेशन शुरू किया गया है। कर्फ्यू का आज दूसरा दिन है।द बलूचिस्तान पोस्ट की बलूची भाषा समाचार सेवा की खबर के अनुसार बीएलएफ के हमले में पाकिस्तान सेना के मेजर रैंक के तीन अधिकारियों की मौत हो गई। झाओ क्षेत्र में बीएलएफ ने सड़क पर अवरोधक खड़ा कर किये गए हमले में मेजर सैयद रबनवाज तारिक अवारन मारे गए। इसके अलावा मेजर अनवर काकर शाल के जबल नूर के पास बीएलए के एसटीओएस दस्ते के बम हमले में मारे गए। मस्तुंग के पहाड़ी इलाके में बलूच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों और पाकिस्तान के सैनिकों के बीच झड़प में मेजर सलीम समेत कई अधिकारी मारे गए। आजादी के लिए संघर्षरत सशस्त्र समूहों ने ईरान और इराक के लिए बलूचिस्तान के भूमि मार्ग पर तीर्थयात्रियों के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। डान अखबार की खबर के अनुसार पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनवा के बाजौर जिले के लोवी मामुंड तहसील इलाके में गनशिप हेलीकॉप्टरों और तोपखाने की मदद से आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सरबकाफ शुरू किया है। इसके लिए बाजौर जिले के 16 इलाकों में अचानक तीन दिन का कर्फ्यू लगाया गया है। पाकिस्तान की सेना के आदेश पर बाजौर जिले के डिप्टी कमिश्नर ने 29 जुलाई की सुबह 5 बजे से लेकर 31 जुलाई की शाम 5 बजे तक कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। डान ने सूत्रों के हवाले से खबर दी कि इस दौरान लोवी मामुंड तहसील के विभिन्न इलाकों में सुरक्षा बलों ने कम से कम चार आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में लगभग 12 अन्य घायल हो गए और लगभग 10 को जिंदा पकड़ लिया। हालांकि, सुरक्षा बलों और पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। स्थानीय नागरिकों ने दावा किया कि सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई झड़पों में अलग-अलग इलाकों में एक बच्चे समेत दो नागरिक मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। घायलों में दो बच्चे और एक महिला शामिल है।

फिलिस्तीन को मान्यता देने की योजना पर भड़के नेतन्याहू,'ब्रिटेन हमास को इनाम दे रहा'

एजेंसी

तेल अवीव । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की उस योजना पर कड़ी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता देने की बात कही। नेतन्याहू ने इस कदम को हमास के भयावह आतंकवाद को इनाम देने के बराबर बताया। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, स्टार्मर हमास के भयावह आतंकवाद को इनाम दे रहे हैं और इससे पीड़ितों को दंडित कर रहे हैं। आज इजरायल की सीमा पर एक जिहादी जमीन कल ब्रिटेन के लिए खतरा बनेगी। जिहादी आतंकवादियों को खुश करने की नीति हमेशा विफल होती है। यह आपको भी विफल करेगी। इस बीच, इजरायली विदेश मंत्रालय ने भी इस फैसले को खारिज करते हुए कहा कि ब्रिटिश

सरकार का ऐसा कदम गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के प्रयासों को कमजोर करेगा। इजरायली विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इजरायल, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के बयान को खारिज करता है। फ्रांस के कदम और आंतरिक राजनीतिक दबावों के बाद इस समय ब्रिटिश सरकार के रुख में आया बदलाव हमास के लिए एक इनाम है। यह बदलाव गाजा में संघर्षविराम और बंधकों की रिहाई के प्रयासों को नुकसान पहुंचाता है।' यह तीखी प्रतिक्रिया तब आई जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने एक बयान जारी कर कहा कि यदि इजरायल ने गाजा में स्थिति सुधारने, संघर्षविराम पर सहमति देने और दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, तो ब्रिटेन सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, मैं पुष्टि करता हूं कि यदि इजरायल सरकार गाजा की भयावह स्थिति को समाप्त करने, संघर्षविराम पर सहमति देने और दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में ठोस प्रतिबद्धता नहीं दिखाती है तो ब्रिटेन सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देगा। बयान में आगे कहा गया, इसमें संयुक्त राष्ट्र को मानवीय सहायता की आपूर्ति फिर से शुरू करने की अनुमति देना और यह स्पष्ट करना शामिल है कि वेस्ट बैंक में कोई नया अधिग्रहण नहीं होगा। इस बीच, हमास के आतंकवादियों के लिए हमारा संदेश अपरिवर्तित और स्पष्ट है। उन्हें तुरंत सभी बंधकों को रिहा करना होगा, युद्धविराम पर हस्ताक्षर करना होगा, निरस्त्रीकरण करना होगा और यह भी स्वीकार करना होगा कि वे गाजा की सरकार में कोई भूमिका नहीं निभाएंगे। हम सितंबर में इस बात का आकलन करेंगे कि संबंधित पक्षों ने इन कदमों का कितना पालन किया है।

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यूट्यूब भी बैन, अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पहले से है पाबंदी

एजेंसी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने बड़ा फैसला करते हुए 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रतिबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में यूट्यूब को भी शामिल किए जाने की घोषणा की है। इससे पहले यूट्यूब को इस नियम से छूट हासिल थी लेकिन सरकार ने अब इसे बदल दिया है। हालांकि यूट्यूब किड्स इससे मुक्त रहेगा। नया नियम 10 दिसंबर से लागू होगा। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अपने ताजा आदेश में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यूट्यूब को बैन कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, स्नैपचैट और एक्स के इस्तेमाल पर पाबंदी है। इस सूची में यूट्यूब को भी शामिल किया गया है। सरकार ने इसे लेकर गाइड लाइन जारी करते हुए कहा है कि अगर 16 साल से कम उम्र के बच्चों का यूट्यूब अकाउंट मिला या बच्चों ने कोई सोशल मीडिया अकाउंट सबसक्राइब किया तो कानूनी कार्रवाई होगी। बच्चे यूट्यूब किड्स इस्तेमाल कर सकते हैं। यूट्यूब किड्स पर अपलोड कंटेट बच्चों के लिए सुरक्षित है। इसमें बच्चे वीडियो अपलोड नहीं कर सकते। द गार्जियन के मुताबिक संचार मंत्री अनिका वेल्स ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यूट्यूब किड्स इससे मुक्त रहेगा। उन्होंने इस फैसले का श्रेय ई-सेफ्टी कमिश्नर की सलाह को दिया और कहा कि सरकार इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकती कि 10 में से चार ऑस्ट्रेलियाई बच्चों ने बताया है कि उन्हें सबसे अधिक नुकसान यूट्यूब के इस्तेमाल से हुआ है। वेल्स ने कहा कि सरकार सोशल मीडिया कंपनियों से डरेगी नहीं और माता-पिता को प्राथमिकता देते हुए यह नीति लाई गई है।

ब्रिटेन सितंबर में फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे सकता है

एजेंसी

लंदन । ब्रिटेन की सरकार ने इजरायल से कहा है कि वह गाजा में लोगों की बदतर हालत को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए और लंबे समय तक चलने वाली शांति के लिए गंभीरता से काम करे। अगर ऐसा नहीं होता है, तो ब्रिटेन सितंबर में फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे सकता है, ताकि दो देशों वाले समाधान (द्वि-राज्य समाधान) की संभावना को बचाया जा सके। एक बयान में डाउनिंग स्ट्रीट ने इजरायल से अपील की कि वह संयुक्त राष्ट्र को गाजा में लोगों तक खाने-पीने की मदद पहुंचाने की अनुमति दे, युद्धविराम के लिए सहमत हो, और यह साफ करे कि वह वेस्ट बैंक (पश्चिमी तट) पर कब्जा नहीं करेगा। समाचार एजेंसी के मुताबिक, बयान में हमास से

अपील की गई है कि वह सभी बंधकों को तुरंत रिहा करे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने का फैसला कुछ शर्तों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन की सरकार का मुख्य लक्ष्य जमीनी हालात को बदलना है और यही इस फैसले का मकसद भी है। स्टारमर ने घोषणा के समय को लेकर कहा, ÷मैं इस बात को लेकर खास तौर पर चिंतित हूं कि दो-राज्य समाधान (इजरायल और फिलिस्तीन के लिए) का विचार अब धीरे-धीरे कमजोर होता जा रहा है और आज यह पहले से कहीं ज्यादा दूर नजर आता है। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, क्षेत्र के भविष्य के लिए दो-राज्य समाधान से बेहतर कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि इजरायल को अपनी सुरक्षित सीमाओं के भीतर आतंकवाद के खतरे से मुक्त होकर शांतिपूर्वक रहने का अधिकार है और फिलिस्तीनियों को भी एक स्वतंत्र देश में सम्मान और सुरक्षा के साथ, बिना किसी कब्जे के जीने का हक मिलना चाहिए। बैठक में अपना बयान देने के बाद मीडिया से बात करते हुए लैमी ने कहा कि यह कदम हमें फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने की दिशा में आगे बढ़ाएगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हमने बहुत ही दुखद और डरावने दृश्य देखे हैं। पूरी दुनिया इस बात से बेहद आहत है कि मदद मांगते बच्चों पर गोली चलाई गई और उनकी जान ले ली गई।

ट्रंप ने रूस को दी चेतावनी, कहा- 10 दिन में यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म न हुआ तो कड़े टैरिफ का सामना करना होगा

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए 10 दिन की समय सीमा दी है। यह घोषणा उन्होंने स्कॉटलैंड की यात्रा से वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से बातचीत में की। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर रूस 10 दिन में युद्धविराम पर सहमत नहीं होता, तो अमेरिका रूस पर कड़े टैरिफ और अन्य प्रतिबंध लगाएगा।दो सप्ताह पहले, 14 जुलाई को ट्रंप ने रूस को 50 दिन का समय देते हुए चेतावनी दी थी कि अगर युद्धविराम नहीं हुआ तो रूस को कठोर टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने सोमवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के दौरान समय सीमा को घटाकर 10 या 12 दिन कर दिया, तथा मास्को द्वारा समझौता करने

की इच्छा न दिखाने पर निराशा व्यक्त की। इस बयान पर रूस की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूस ने ट्रंप के बयान पर ध्यान दिया है, लेकिन यूक्रेन में उसका विशेष सैन्य अभियान जारी रहेगा। पेसकोव ने यह भी कहा कि रूस शांति प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपने हितों को सुनिश्चित करते हुए ही कोई समझौता करेगा।

इस बीच, यूक्रेन में युद्ध की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। रूस ने यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी सूमी क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिसमें चार लोग घायल हो गए। दूसरी ओर, रूसी अधिकारियों ने दावा किया कि उन्होंने 150 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया। इन हमलों में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

ईरान ने गाजा संघर्षविराम वार्ता में हस्तक्षेप के ट्रंप के दावे को किया खारिज, आरोप को बताया 'निराधार'

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को सख्ती से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान ने इजराइल और हमास के बीच गाजा संघर्षविराम वार्ता में हस्तक्षेप किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माईल बघई ने जारी एक आधिकारिक बयान में इस आरोप को पूरी तरह निराधार बताया।यह बयान उस वक्त आया जब ट्रंप ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री किअर स्टारमर के साथ मुलाकात के दौरान दावा किया कि मुझे लगता है कि ईरान ने इस वार्ता में हस्तक्षेप किया है, हमास को इशारे और आदेश दिए जा रहे हैं। हालांकि ट्रंप ने इस आरोप के समर्थन में कोई ठोस प्रमाण नहीं दिया। इसी के जवाब में बघई ने कहा, यह आरोप केवल अमेरिका की उस भूमिका से ध्यान भटकाने का प्रयास है, जो उसने इजराइल के फिलीस्तीनी जनता के खिलाफ किए गए 'अत्याचारों' में निभाई है। उन्होंने कहा कि हमास के वार्ताकार गाजा की जनता के हितों को पहचानने और उनका पालन करने में पूरी तरह सक्षम हैं, उन्हें किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। ईरानी प्रवक्ता ने गाजा में जारी हिंसा को नरसंहार करार देते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से फिलीस्तीनी जनता की पीड़ा को समाप्त करने और इजराइली कार्रवाइयों को रोकने के लिए ठोस पहल की मांग दोहराई।

बांग्लादेश में 'जुलाई नेशनल चार्टर' पर विवाद, राजनीतिक दलों में बुनियादी सुधारों पर मतभेद

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में कई राजनीतिक दलों ने जुलाई नेशनल चार्टर के मसौदे पर आपत्तियां उठाई हैं। इनमें जमात-ए-इस्लामी, नेशनल सिटीजन्स पार्टी (एनसीपी) और इस्लामी आंदोलन शामिल हैं। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। यह दल, खासकर राष्ट्रीय चुनावों के बाद सरकार बनने के दो साल के भीतर सुधार प्रस्तावों को लागू करने के प्रावधान का विरोध कर रहे हैं। इन दलों की मांग है कि जुलाई चार्टर को एक कानूनी ढांचे में शामिल किया जाए, ताकि इसका कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। बांग्लादेश की नेशनल कंसेंसस कमीशन (एनसीसी) ने हाल ही में राजनीतिक पार्टियों से अपील की है कि वह जुलाई नेशनल चार्टर 2025 में दिए गए सुधारों को सत्ता में आने के दो साल के अंदर लागू करने का वादा करें। कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने जुलाई चार्टर को दो साल के भीतर लागू करने के प्रस्ताव को खतरनाक बताया। पार्टी ने कहा कि जुलाई चार्टर को या तो अध्यादेश पारित करके, या जनमत संग्रह के जरिए लागू किया जाएगा। इस बीच, एनसीपी का कहना है कि अगर जुलाई चार्टर के क्रियान्वयन पर स्पष्टता नहीं है, तो वह चार्टर पर हस्ताक्षर करने पर पुनर्विचार करेगी। ढाका में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, एनसीपी के सदस्य सचिव अख्तर हुसैन ने कहा, हम चाहते हैं कि इस मसौदे में मूलभूत सुधार के हर पहलू को शामिल किया जाए। अगर इसे छोड़ दिया जाता है, तो पार्टी

फोरम में चर्चा के बाद फैसला लिया जाएगा कि इस पर हस्ताक्षर किया जाए, या नहीं। दूसरी ओर, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने जुलाई चार्टर के प्रस्तावों को लेकर सामान्य सहमति जताई है। हालांकि, बीएनपी चाहती है कि संसद में कार्यवाहक सरकार के गठन और संवैधानिक संस्थाओं की नियुक्ति पर भी चर्चा हो, जिसे कार्यपालिका के जरिए तय किया जाए, लेकिन जमात-ए-इस्लामी और एनसीपी (एनसीपी) ने बीएनपी के इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। यह जानकारी प्रमुख बांग्लादेशी अखबार प्रोथोम अलो ने दी है इससे पहले, एनसीसी ने कई महत्वपूर्ण सुधार मुद्दों पर फैसला लेने के लिए राजनीतिक दलों के साथ दूसरे दौर की बातचीत का 21वां सत्र शुरू किया। इन चर्चाओं में केयरटेकर सरकार की रूपरेखा, संसद में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों, और संविधान में ऑडिटर जनरल, कंट्रोलर और लोकपाल की नियुक्तियों से जुड़े प्रावधानों को शामिल किया गया। हालांकि, इन मुद्दों पर भी कोई सहमति नहीं बन पाई। दूसरे चरण के दौरान, आयोग ने 20 मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक अब तक 8 सुधार प्रस्तावों पर सहमति नहीं बन पाई है। जिन दलों ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित अवामी लीग सरकार को हटाने के लिए छात्र नेताओं और यूनुस के साथ सहयोग किया था, वह अब प्रमुख सुधार प्रस्तावों को लेकर आपस में भिड़ गए हैं।

"ANE Awards द्वारा नागपुर में आयोजित हुआ एक्सीलेंस अवार्ड महोत्सव

देशभर के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को किया गया सम्मानित

दिव्य दिल्ली: ANE Awards द्वारा एक्सीलेंस अवार्ड महोत्सव और पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया।.. बता दे कि एस. सी. डी. आर प्राइवेट लिमिटेड और एनसी ट्रांसफॉर्मेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का यह पहला संस्करण था,.. जिसका नेतृत्व एस. सी. डी. आर के संस्थापक कुंज चन्ने... और एनसी ट्रांसफॉर्मेशन की संस्थापक नयन चन्ने ने किया... समारोह की शुरूआत राष्ट्रगान और दीप प्रज्वलन के साथ हुई.., जिसमें चिकित्सा क्षेत्र के शस्त्र-चिकित्सक डॉ. अखिलेश डहरवाल,.. ग्लोबल पॉवर इलेक्ट्रॉनिक के संस्थापक संजय निचट और सिक्योरेगो प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक श्री देव चन्ने समेत कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे... इस मौके पर मुख्य अतिथि संजय निचट ने भारत में उद्यमिता की भूमिका और पारदर्शिता को लेकर **ANE Awards** के प्रयासों की सराहना की... वही नयन चन्ने और श्री कुंज चन्ने ने इस आयोजन को एक प्रेरणादायक अनुभव बताया.., जो बौद्धिक संवाद और सकारात्मक ऊर्जा को प्रोत्साहित करता है.... कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के उत्कृष्ट योगदानकताओं को सम्मानित किया गया... जिनमें शुभम कुमार, अर्चना चोपड़ा, कैलाश कुमार, सोहन मोंडल, डॉ. एस. डी. सिंह, डॉ. सदाशिव अवघड, जयदीप राजपुत, डॉ. राजा भौमिक, सामिउल्ला खान, राजेश्वरी रत्नपारखी, सय्यद अब्दुल रहमान, राजेश कदम, पूजा कदम, डॉ. गौरव थाप्लियाल, सुधीर कुमार साहू, सुदीप्ती रस्तोगी, राहुल चन्ने, पूजा कुशवाह, लक्ष्मी जयपॉल, मुहम्मद अय्यद, डॉ. रमन के अटरी, सौविक बिस्वास, फतेह बहादुर सिंह, विशाल कांबले और रंगा राव जैसे नाम प्रमुख हैं।... इस आयोजन ने न केवल विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों और प्रतिभाओं को एक साझा मंच प्रदान किया, बल्कि सम्मान और प्रोत्साहन के माध्यम से उनके प्रयासों को नई पहचान दी।

उपमंडल नूरपुर के तहत पड़ते क्षेत्र में डन्नी में भारी बरसात के कारण एक मकान गिर गया

दिव्य दिल्ली: विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर प्रशासन ने डन्नी गांव मे भारी बरसात मे एक मकान के गिरने से उक्त परिवार को एक प्राइवेट मकान में शिफ्ट किया है और उसे जरूरी सामान आदि उपलब्ध करवाया है। यह जानकारी आज
एसडीएम नूरपुर अरुण शर्मा ने देते हुए बताया कि गांव डन्नी में खड्ड में बाढ़ आने के कारण खड्ड किनारे बना बुद्धि सिंह का मकान गिर गया और प्रभावित परिवार को फिलहाल गांव के एक प्राइवेट मकान में शिफ्ट किया है तथा उक्त परिवार को कुछ जरूरी सामान आदि उपलब्ध करवाया गया है ।एसडीएम नूरपुर अरुण शर्मा ने बताया कि उपमंडल नूरपुर में अभिव्यक लगभग पांच मकान व एक दुकान क्षतिग्रस्त हुए है जिससे लगभग पांच लाख का नुकसान हुआ है ।उन्होंने बताया कि बरसात के कारण जौंटा के पास फोरलेन सड़क मार्ग के साथ जमीन धंसने से गांव के मकानों को खतरा हो गया था और एनएचएआई द्वारा उक्त जगह को मिट्टी आदि भर कर ठीक कर साथ लगते मकानों को सुरक्षित किया गया। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में लोग खड्डों,नालों आदि के पास न जाए और सुरक्षित रहे

ग्रेनो प्राधिकरण ने सेक्टर 105 मीटर रोड पर किए पौधरोपण

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से पौधरोपण अभियान जारी है। मंगलवार को 105 मीटर रोड पर उद्यान विभाग की टीम ने पौधे लगाए।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और ओएसडी गिरीश कुमार झा ने ऐक्टिव सिटीजन टीम व कुछ अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ पौधरोपण किया। 105 मीटर रोड पर विप्रो के पास रोड के दोनों साइड और सेंट्रल वर्ज पर टैबेबुइया रोजिया (बसंत रानी) प्रजाति के लगभग 500 पौधे रोपित किए गए। टैबेबुइया रोजिया के पौधों में बसंत माह में गुलाबी फूल खिलते हैं। ये देखने में अत्यंत खूबसूरत लगते हैं।

एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने कहा कि ग्रेटर नोएडा को हरा-भरा बनाने के लिए प्राधिकरण की तरफ से पौधरोपण आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने निवासियों से पौधे लगाकर ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की अपील की। पौधरोपण के दौरान उद्यान विभाग के उप महाप्रबंधक संजय कुमार जैन, वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्र, सहायक निदेशक नथोली सिंह, सहायक निदेशक उद्यान बुद्ध विलास, मैनेजर प्रशांत समाधिया, मैनेजर मिथलेश कुमार, ऐक्टिव सिटीजन टीम के सदस्य सरदार मंजीत सिंह, हरेंद्र भाटी और आलोक सिंह आदि मौजूद रहे।

इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग के माध्यम से 2,89,50,000 रुपये की धोखाधड़ी, एक अभियुक्त गिरफ्तार

नोएडा। थाना साइबर क्राइम पुलिस द्वारा संकलित सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए वादी को इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग के माध्यम से लाभ कमाने का झांसा देकर 2,89,50,000 रुपये की धोखाधड़ी/ ठगी करने वाली गैंग का 01 अभियुक्त नितेश कुमार प्रसाद पुत्र शिव शंकर प्रसाद को फरीदाबाद, हरियाणा से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

पीड़ित ने थाना साइबर क्राइम पर आकर लिखित तहरीर दी कि साइबर अपराधी द्वारा स्वयं को एबॉट वेल्थ कोलकाता (भारत) कंपनी का कर्मचारी बताकर व्हाट्स एप्प के माध्यम से संपर्क कर इन्वेस्टमेंट कराकर ट्रेडिंग के माध्यम से लाभ कमाने का झांसा देकर वादी के साथ 2,89,50,000 रुपये की धोखाधड़ी की गयी। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत करते हुए त्वरित कार्यवाही कर धोखाधड़ी में संलिप्त बैंक खातों को तत्काल फ्रीज कराये गये।

पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि अभियुक्त ने अपने बैंक खाते को 02 प्रतिशत के लाभ कमाने के लिए अन्य अभियुक्तगण को दे दिया। इसी क्रम में अभियुक्त के कोटक महिंद्रा बैंक के खाते मे इस घटना के धोखाधड़ी के 6,00,000 रुपये का आना पाया, और अन्य घटना से संबंधित 30,77,074 रुपये का आना पाया गया है। साइबर क्राइम में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ़्तारी शीघ्र की जाएगी।

परिवार के लोगों पर किशोरी को गायब करने का आरोप

नोएडा। हरौला गांव निवासी एक व्यक्ति ने परिवार के लोगों पर नाबालिग बेटी को गायब करने का आरोप लगाते हुए फेज-1 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का कहना है कि उनकी 15 वर्षीय बेटी तीन माह पहले जिला फरुर्खाबाद में रहने वाली बुआ के घर कुछ दिन के लिए गई थी। एक माह पहले वापस लौटी है। आरोप है कि 24 जुलाई को शिकायतकर्ता के भाई, बहन-बहनोई और भांजे ने मिलकर उनकी बेटी को गायब कर दिया है। पुलिस जांच में जुटी है।

ठगी की रकम में 2 प्रतिशत पर बैंक खाता किराए पर देने वाला गिरफ्तार

नोएडा। साइबर ठगी की रकम में 2 प्रतिशत लाभ के लिए बैंक खाता ठगों को किराये पर देने के आरोपी को साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को फरीदाबाद से पकड़ा गया। पिछले दिनों निवेश के नाम पर हुई 2 करोड़ 89 लाख रुपये की एक ठगी में से आरोपी के बैंक खाते में 6 लाख रुपये ट्रांसफर कराए गए थे। पुलिस ने आरोपी को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। कब्जे से मोबाइल समेत अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। आरोपी ने अपने कुछ अन्य साथियों के नाम भी पूछताछ के दौरान पुलिस को बताए हैं। आरोपी एक फर्म का मालिक भी है।

एडीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि 22 जुलाई को पुलिस को निवेश के नाम पर हुई बड़ी ठगी की शिकायत मिली थी। ऐप के माध्यम से पीड़ित से निवेश के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में ठगों ने रकम ट्रांसफर कराई थी। ऐप पर मुनाफा बढ़ता हुआ दिख रहा था पर वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं था। ठगी की जानकारी होने के बाद ठगों ने पीड़ित के साथ संपर्क तोड़ लिया और उस ग्रुप से भी बाहर कर दिया। शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने जांच शुरू करते हुए धोखाधड़ी में संलिप्त बैंक खातों को तत्काल फ्रीज करवाया था।

विवेचना के दौरान पता चला कि फरीदाबाद के 24 वर्षीय निवेश कुमार प्रसाद के खाते में ठगी के छह लाख रुपये आए हैं। इसके बाद टीम ने आरोपी को उसके निवास स्थान से मंगलवार को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि दो प्रतिशत लाभ कमाने के लिए उसने अपना खाता अन्य आरोपियों को दिया था। आरोपी के कोटक महिंद्रा बैंक के खाते में ठगी के छह लाख रुपये आए थे। इसमें से उसे 12 हजार रुपये कमीशन मिलना तय था। ठगी के अन्य मामले में भी उसके खाते में तीस लाख 77 हजार 74 रुपये की रकम पूर्व में आ चुकी थी। उसमें भी कमीशन मिला था। आरोपी 12 वीं पास है।

पुलिस की जांच में दो और शिकायतें मिलीं

साइबर क्राइम थाना पुलिस के मुताबिक जांच में जब खाते को एनसीआरपी पोर्टल पर चेक किया गया तो उस पर दो शिकायत दर्ज मिलीं। एक शिकायत कर्नाटक जबकि दूसरी उड़ीसा में दर्ज है। पुलिस फर्म के संबंध में जानकारी जुटा रही है। आशंका यह भी जताई जा रही है कि फर्म की आड़ में आरोपी ने बैंक खाते खुलवाए होंगे और उनका इस्तेमाल ठगी में हुआ होगा। पूछताछ में नितेश ने अपने कुछ ऐसे साथियों के नाम भी बताए हैं जो लोगों का खाता लेकर ठग गिरोह के सरगना को देते हैं।

प्रदेश मे जिला काँगड़ा के निचले क्षेत्र मे लगभग आठ हजार लोग बेबस

दिव्य दिल्ली: विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर प्रदेश में वारिस ने देवभूमि को गहरे जख्म दिए हैं और पूरा प्रदेश आपदा प्रभावित लोगों की मदद में जुटा है। प्रदेश का जिला कांगड़ा का एक क्षेत्र ऐसा भी है जो कि हर बरसात में शेष दुनिया से कट जाता है। पंजाब हिमाचल सीमा पर स्थित उपमंडल इंदौरा के अंतर्गत माजरा क्षेत्र की यह हालत है। यहां ढांगू से माजरा के लिए जाने वाली सड़क वारिस मे चक्की दरिया की भेंट चढ़ जाती है। इस सड़क के बंद होने से सिर्फ माजरा पंचायत के लोग ही नहीं बल्कि डमटाल व मोहटली पंचायतों के कुछ वार्डों के लोग भी प्रभावित होते हैं। इस तरह करीब 8 हजार लोग इस सड़क मार्ग के बंद होने का खामियाजा भुगतते हैं। इसके साथ ही सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण पठानकोट एयरपोर्ट के लिए भी यही सड़क मार्ग एकमात्र विकल्प है। विगत तीन वर्षों से यह मार्ग हर बरसात में प्रभावित होता है लेकिन इस सड़क मार्ग की सुरक्षा के लिए सरकार कोई पुख्ता इंतजाम नहीं कर पाई। अभी हाल मे इस बार भी 21 जुलाई को ऊपरी क्षेत्रों में हुई मूसलाधार बारिश के बाद चक्की दरिया के उफान में यह सड़क एक बार फिर से क्षतिग्रस्त हो गई। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी यहां स्थिति अगर मगर के फेर में फंसी हुई है। लोक निर्माण विभाग इस महत्वपूर्ण सड़क मार्ग की सुरक्षा के लिए इतने वर्षों में कोई पुख्त योजना नहीं बना पाया है' उल्लेखनीय है कि इसी सड़क मार्ग पर 5 स्टोन क्रशर हैं जिनसे प्रतिमाह लाखों रुपए सरकार को राजस्व आता है और उनका कारोबार भी इस सड़क मार्ग के बंद होने से पूरी तरह बंद हो जाता है। वर्ष 2023 में भी यह सड़क मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया था तब भी इन क्रशर संचालकों ने खुद अपने खर्च पर इस सड़क मार्ग को बहाल करवाया था। उनको सरकार से किसी तरह की मदद नहीं मिली थी। इस बार भी अगर सरकार साथ नहीं देती है तो क्या क्रशर संचालक फिर से यह सड़क अपने खर्च पर बनाएंगे या नहीं यह भी कहा नहीं जा सकता। पिछले वर्ष लोक निर्माण विभाग ने कुछ प्रयास जरूर किये लेकिन वह नाकाफी साबित हुए हैं। इस बारे में एक्सईएन लोक निर्माण विभाग इंदौरा दीपक महाजन ने कहा कि चक्की दरिया के कारण ढांगू-माजरा सड़क एक सप्ताह से बाधित है। दरिया का पानी कम होने के बाद सड़क बहाली का काम शुरू कर दिया जाएगा। वहीं इस सड़क की स्थायी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय आपदा कोष से धन का प्रावधान करने के लिए आवेदन किया गया है। क्योंकि इसके लिए बहुत अधिक धनराशि की आवश्यकता है। यह आवेदन स्वीकृत होने के बाद इस सड़क मार्ग को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया जाएगा। इस बारे में माजरा पंचायत प्रधान रीना रानी का कहना है कि हर बरसात में हमारे ग्रामीण प्रभावित होते हैं। पिछले तीन वर्षों से हम बुरी तरह से प्रभावित होते हैं लेकिन सरकार व प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया।

"सुरक्षा से समृद्धि समिट 2025" में दिखीं स्मार्ट सुरक्षा तकनीकों की झलक

नई दिल्ली

नई दिल्ली के पश्चिम विहार स्थित रेडिसन ब्लू होटल में एमबीएल सुरक्षा सेक्योरिटी सिस्टम की ओर से "सुरक्षा से समृद्धि समिट 2025" का भव्य आयोजन किया गया। इस समिट का उद्देश्य था आम नागरिकों, व्यापारियों और उद्यमियों को ऐसी अत्याधुनिक स्मार्ट डिवाइसेज और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी से परिचित कराना, जो किसी भी अनहोनी, चोरी, आगजनी या आपात स्थिति की जानकारी पहले ही देकर जान-माल के नुकसान को रोका जा सके। इस समिट का आयोजन कंपनी के संस्थापक और निदेशक जतिंद्र सिंह तथा नितिन आनंद के नेतृत्व में किया गया। समिट को संबोधित करते हुए जतिंद्र सिंह ने बताया कि कैसे उनके अपने इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में चोरी की घटना के बाद उन्होंने सुरक्षा का ऐसा समाधान विकसित किया, जिससे भविष्य में कई घटनाओं को समय रहते टाला जा सका। उन्होंने कहा कि अब सुरक्षा रिएक्शन का नहीं, प्रो-एक्टिव अप्रोच का समय है। समिट में मौजूद कंपनी के सहयोगी नितिन आनंद ने स्मार्ट डिवाइस की कार्यप्रणाली और तकनीकी विशेषताओं पर विस्तृत जानकारी दी। नितिन ने कहा, "यह एक ऐसी टेक्नोलॉजी है जो लोगों को सतर्कता की शक्ति देती है।" और बताया कि कैसे यह सिस्टम जीवन और संपत्ति दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर देश के चर्चित मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. विवेक बिंद्रा ने भी समिट में भाग लिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और तकनीकी जागरूकता की अहमियत पर प्रेरणादायक बातें बताईं। उनका संदेश था कि "एक जागरूक समाज ही सुरक्षित समाज होता है।" जतिंद्र सिंह ने यह भी बताया कि उनकी डिवाइस के जरिए कई जगहों पर झगड़े टाले गए, चोरियां रोकी गईं और सबसे अहम झ्र दो लड़की को समय रहते बचाया गया। उन्होंने कहा कि आज यह सिस्टम केवल तकनीक नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का माध्यम बन चुका है। इसके माध्यम से कई लोगों को रोजगार भी दिया गया है और सोशल वर्कर्स द्वारा लाइव मॉनिटरिंग के जरिए कई आपदाओं को टाला गया है। यह सिस्टम कस्टमर की सुविधा अनुसार, चाहे जितने घंटे, जिस दिन और जिस समय, सुरक्षा मुहैया कराता है। समिट में सैकड़ों की संख्या में व्यापारी, उद्यमी और आम नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की और तकनीकी समाधान के प्रति गहरी रुचि दिखाई। इस आयोजन ने न केवल स्मार्ट सिक्योरिटी सॉल्यूशंस को आम लोगों तक पहुंचाया, बल्कि यह भी साबित किया कि तकनीक और जागरूकता मिलकर एक सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत की नींव रख सकते हैं।

आपदा प्रभावितों के लिए आगे आने वाले दानी सज्जनों का आभार : जयराम ठाकुर

दिव्य दिल्ली: शशि भूषण (धर्मशाला)

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज आपदा प्रभावित सराज विधानसभा क्षेत्र के थुनाग और जंजैहली क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने थुनाग में लंगर चला रहे शिवशरण श्री राम लंगर सेवा घुमारवीं के सेवादारों को सम्मानित किया। आपदा प्रभावित क्षेत्र के दौरे पर गए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने 11 ग्राम पंचायतों के आपदा प्रभावितों को चेक द्वारा सहायता राशि भी वितरित की। उन्होंने सभी प्रभावितों से कहा कि हमें हौसला नहीं हारना है, अपनी मेहनत और काबिलियत से हम फिर से सब कुछ कर दिखाएंगे। कभी हिम्मत न हारना ही हमारी पहचान है। साथ ही उन्होंने सभी दानी सज्जनों का भी आभार जताया जिनके सहयोग से आपदा प्रभावितों की मदद हो रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कांढ़ा, थरजून (केलोधार), परवाड़ा, सरोआ, अणाह, बाड़ा, मुसरानी, बस्सी, धार जरोल, तुंगाधार, शरन पंचायतों में 53 लोगों को चेक के माध्यम से 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी की। इन सभी के घर त्रासदी में पूरी तरीके से नष्ट हो गए हैं और उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं बची है। यह सभी लोग या तो अपने रिश्तेदारों के यहां शरण लिए हैं या फिर किसी न किसी अस्थाई राहत शिविर में रह रहे हैं। हमारी सबसे बड़ी चिंता यह है कि ज्यादातर लोगों के घर और जमीन सब कुछ बह गए हैं। भविष्य में भी उनके पास घर बनाने का कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं है। जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार द्वारा आपदा राहत के कार्य में बहुत शिथिलता बरती जा रही है। सरकार जितना जुबानी जमा खर्च कर रही है वैसा कुछ जमीन पर नजर नहीं आ रहा है। हमने बार-बार कहा है कि सड़कें बंद होने की वजह से लोग आपदा से बच गए कृषि और बागवानी उत्पाद को भी मंडियों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। जिसके कारण उन्हें दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। यह पूरा इलाका ही कृषि बागवानी और फूलों की खेती पर निर्भर करता है और यह सभी उत्पाद बहुत कम समय में नष्ट हो जाते हैं। इसलिए उनका समय पर बाजार पहुंचना जरूरी होता है। मैं सरकार से फिर आग्रह करूंगा की सड़कों समेत अन्य सुविधाओं की बहाली में और तेजी लाएं। जिससे जन जीवन जल्दी से जल्दी समाधान हो सके

कौन हैं अर्जुन प्रताप बाजवा...?

सारा अली खान

संग वायरल हो रहा Video, लोग बोले- 'वाह क्या जोड़ी है!'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान अपनी फिल्मों और बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं. इसके अलावा सारा अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर भी सुर्खियां बटोरती हैं. हाल ही में सारा का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जहां वो अपने रुमर्ड बॉयफ्रेंड संग नजर आईं. ऐसे में आइए जानते हैं कौन हैं अर्जुन प्रताप बाजवा?

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान बीते कई दिनों से अपनी फिल्म 'मेट्रोज इन दिनों' को लेकर चर्चा में हैं. अनुराग बसु की फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया है. साथ ही सारा के काम को भी फिल्म में काफी पसंद किया गया. सारा और आदित्य की जोड़ी को फैंस को बहुत प्यार मिला. फिलहाल सारा अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. सारा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जहां वो एक गुरुद्वारे से बाहर आती दिखाई दे रही हैं. उनके साथ एक मिस्ट्री मैन भी नजर आ रहे हैं.सारा इस वीडियो में नंगे पैर एक गुरुद्वारे से बाहर आती नजर आ रही हैं. सारा के साथ इस वीडियो में जो शख्स नजर आ रहे हैं उनका नाम अर्जुन प्रताप बाजवा है. वीडियो के सामने आने के बाद से सारा और अर्जुन के डेटिंग रुमर्ज आ रहे हैं. ऐसे में फैंस ये जानना चाहते हैं कि आखिर अर्जुन कौन हैं ? तो आइए जानते हैं कि कौन हैं अर्जुन प्रताप बाजवा.

कौन हैं अर्जुन प्रताप बाजवा ?

अर्जुन प्रताप बाजवा एक बड़ी पॉलिटिकल फैमिली से ताल्लुक रखते हैं. अर्जुन पेशे से एक पॉलिटिशियन और मॉडल हैं. अर्जुन के पिता, फतेह सिंह बाजवा पंजाब बीजेपी के वाइस प्रेसिडेंट हैं. अर्जुन ने एग्रिकल्चर और पॉलिटिक्स के क्षेत्र में अपनी पढ़ाई की है, हालांकि, वो फिलहाल अपने मॉडलिंग करियर को आगे बढ़ा रहे हैं. अर्जुन मॉडलिंग की दुनिया में एक जाना माना नाम हैं. अक्षय कुमार की फिल्म सिंह इज ब्लिंग में अर्जुन ने डायरेक्टर प्रभु देवा को असिस्ट भी किया था. अर्जुन ने अपना एक्टिंग डेब्यू 'बैंड ऑफ महाराजा' से किया था. फिल्म को ऑस्कर्स के लिए नॉमिनेट भी किया गया था.

वीडियो में साथ दिखे सारा-अर्जुन

बात करें वीडियो की तो वीडियो में सारा को सफेद सलवार कमीज में देखा जा सकता है. सारा, सिर पर दुपट्टा डालकर नंगे पैर बाहर आती दिखाई दे रही हैं, वहीं उनके साथ आगे अर्जुन भी नजर आ रहे हैं. अर्जुन ने एक ब्लैक प्रिंटेड टी-शर्ट के साथ एक लूज ट्रेक ट्राउजर को पेयर किया है. फैंस दोनों का वायरल वीडियो देखकर दोनों की जोड़ी को काफी पसंद कर रहे हैं. हालांकि, ना ही एक्ट्रेस और ना ही अर्जुन ने अपने डेटिंग की अफवाहों पर कोई कमेंट किया है, फिर भी फैंस दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं.

संजय दत्त की पत्नी से सिर्फ 10 साल छोटी हैं बेटी त्रिशाला दत्त, अमेरिका में रहकर करती हैं ये काम

बॉलीवुड में 'संजू बाबा' के नाम से मशहूर अभिनेता संजय दत्त आज 66 साल के हो गए हैं. आज ही के दिन साल 1959 में मुंबई में उनका जन्म दिग्गज अभिनेता सुनील दत्त और दिग्गज एक्ट्रेस नरगिस के घर हुआ था. बॉलीवुड में संजू बाबा अपने पैरेंट्स की राह पर ही चले और उनसे भी ज्यादा नाम कमाने में कामयाब रहे. फिल्मों और एक्टिंग के साथ ही उनकी पर्सनल लाइफ भी काफी सुर्खियों में रही. अपनी निजी जिंदगी में संजू ने काफी उतार-चढ़ाव का सामना किया है.तीन शादियां कर चुके संजय दत्त अपनी पत्नी मान्यता दत्त और बच्चों के साथ खुशहाल लाइफ जी रहे हैं. मान्यता, संजय की तीसरी पत्नी हैं. उन्होंने दूसरी शादी रिया पिल्लई से की थी और पहली शादी दिवंगत अभिनेत्री ऋचा शर्मा से हुई थी. ऋचा से संजय की एक बेटी भी हैं, जिनका नाम त्रिशाला दत्त है. त्रिशाला उम्र में संजय की तीसरी वाइफ मान्यता से सिर्फ 10 साल छोटी हैं. आइए आज संजू बाबा की बड़ी बेटी के बारे में जानते हैं. वो कहां रहती हैं और क्या काम करती हैं ?

कौन हैं संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त ?

संजय दत्त के कई अफेयर रहे हैं. उनके कई महिलाओं के साथ संबंध थे. हालांकि अभिनेता शादी के बंधन में ऋचा शर्मा के साथ बंधे थे. ऋचा और संजय की शादी साल 1987 में हुई थी. ऋचा ने कुछ बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया था. शादी के एक साल बाद संजय और ऋचा पैरेंट्स बने थे. 1988 में ऋचा ने बेटी त्रिशाला को जन्म दिया था. हालांकि ऋचा अब इस दुनिया में नहीं हैं. उनका 1996 में ब्रेन ट्यूमर से निधन हो गया था.

अमेरिका में रहकर क्या काम करती हैं त्रिशाला ?

ऋचा के पैरेंट्स अमेरिका में ही रहते थे और उनके निधन के बाद त्रिशाला की परवरिश भी उन्होंने अमेरिका में ही की. अब भी त्रिशाला अमेरिका में ही रहती हैं. 37 साल की हो चुकी त्रिशाला का ग्लैमर वर्ल्ड से कोई नाता नहीं है. वो बतौर मनोचिकित्सक का काम करती है. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम बायो पर भी ये जानकारी दी है.

मान्यता से सिर्फ दस साल छोटी हैं त्रिशाला

संजय दत्त ने ऋचा के निधन के बाद दूसरी शादी रिया पिल्लई से 1998 में की थी. लेकिन, साल 2008 में दोनों का तलाक हो गया और उसी साल संजय दत्त ने मान्यता से तीसरी शादी रचा ली. पिता की तीसरी शादी के वक्त त्रिशाला 20 साल की थीं. अब उनकी उम्र 37 साल है. वहीं 22 जुलाई 1978 को मुंबई में जन्मीं मान्यता की उम्र 47 साल है. एक हफ्ते पहले ही मान्यता ने अपना 47वां बर्थडे सेलिब्रेट किया था.

सोकर उठ गए क्या? आधी रात में अमिताभ बच्चन की जागी देशभक्ति, तो यूजर्स ने फिर कर दिया ट्रोल

दिग्गज एक्टर अमिताभ बच्चन अक्सर अपने एक्स अकाउंट पर अपने विचार सभी के साथ शेयर करते रहते हैं. हालांकि बीते कुछ महीनों में देखा गया है कि बिग बी आधी रात को भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हैं और सभी का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं. हालांकि अपने पोस्ट के लिए अमिताभ बच्चन पिछले काफी वक्त से सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर हैं. इसी बीच एक बार फिर महानायक ने देर रात ट्वीट किया और यूजर्स ने उन्हें फिर से ट्रोल कर दिया.अमिताभ बच्चन ने अपने एक्स अकाउंट पर रात 2 बजकर 42 मिनट पर ट्वीट किया. उन्होंने लिखा, वो समा चला गया, जब देश दब के बोलता था ! अब देश का दबदबा, दूसरों को दाब देता है. बिग बी के इस ट्वीट के बाद यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया.

आप सोकर उठ गए क्या ?

कुछ यूजर्स ने अमिताभ को महंगाई पर कुछ लिखने को कहा, तो कुछ लोगों का कहना था कि वो जो कहना चाहते हैं उसे साफ-साफ कहें. यानी उनकी बातें कम ही लोग समझ पा रहे थे.

एक यूजर ने लिखा, श्री अमिताभ बच्चन जी कभी पेट्रोल डीजल के मुद्दों पर पर भी लिख दिया करो, अब महंगाई नज़र नहीं आती क्या ? एक यूजर ने सवाल पूछा कि आप सोकर उठ गए क्या ? एक अन्य यूजर ने लिखा, हां पहले पेट्रोल ,डीजल के दाम बढ़ने पर सदी के महानायक भी बोलते थे 2014 के बाद पता नहीं कहां चले गए.

अमिताभ बच्चन की ट्रोलिंग

हालांकि कुछ लोगों ने अमिताभ बच्चन की बातों पर अपनी सहमति भी जताई. दिग्गज एक्टर 82 साल की उम्र में भी फिल्मों और सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं. अपने अधूरे और अजबी-अजबी ट्वीट के चलते बिग बी हमेशा सुर्खियों में रहते हैं. अमिताभ के काम की बात करें, तो उनके पास कई बड़ी-बड़ी फिल्मों की लाइन लगी है. वहीं जल्द ही वो अपने टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति के नए सीजन के साथ लौटने वाले हैं.

मैंने नहीं चुराया... RJ महवश पर लगा

धनश्री वर्मा

का पति चुराने का इल्जाम, युजवेंद्र चहल की रूमर्ड गर्लफ्रेंड बोलीं- है

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल का धनश्री वर्मा से रिश्ता टूट चुका है. कुछ वक्त पहले ही उन्होंने पत्नी से तलाक लिया है. जिसके बाद से ही धनश्री वर्मा को सोशल मीडिया पर खूब हेट मिला. लेकिन अब युजवेंद्र चहल का नाम ऋछ महवश के साथ जुड़ रहा है. अक्सर उनके साथ नजर आते हैं. दोनों हाल ही में लंदन वेकेशन से वापस लौटे हैं, जहां चहल का जबरदस्त अंदाज में बर्थडे सेलिब्रेट किया गया था. दोनों की साथ घूमते कई तस्वीरें भी सामने आईं. ऐसे में अब लोगों ने महवश की तस्वीरों पर कमेंट करके पति चुराने का इल्जाम लगा दिया है. अब उन्होंने एक वीडियो शेयर कर जवाब दिया है.युजवेंद्र चहल के तलाक के बाद से ही महवश उनके साथ हैं. इस आईपीएल सीजन में टीम बस में जाती भी दिखी थीं. वहीं, साथ घूमने भी निकल पड़े. ऐसे में कपिल शर्मा शो में भी युजवेंद्र चहल ने रिश्ते को लेकर कुछ हिंट दिया था. जिसके बाद ट्रोल होने पर महवश बोलीं- इन लोगों ने ही देखा है मुझे चुराते हुए.

पति चुराने के इल्जाम पर दिया जवाब

पूरा मामला शुरू हुआ जब RJ महवश ने एक स्टोरी शेयर की. उसमें लिखा था कि- किसी का पति चुराना ? Cheating. उस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया- मैंने चुराया नहीं इसलिए मुझे पता नहीं, पर हां किसी का पति चुराना चीटिंग. साथ ही स्क्रीनशॉर्ट शेयर कर लिखती हैं- इन लोगों ने ही देखा है मुझे चुराते. कुछ भी बातें बनाते हैं लोग बस व्यूज आने चाहिए इनके. इसके अलावा एक वीडियो भी शेयर किया है चीटिंग पर. जिस पर लोग भर-भरकर कमेंट्स कर रहे हैं.

वो कहती हैं- क्या-क्या करना चीटिंग है ? किसी को सीक्रेट मैसेज करना चीटिंग. किसी के मैसेज डिलीट करना चीटिंग, अपने एक्स से छिपकर बात करना चीटिंग. शर्टलेस लड़कों को आग वाले इमोजी भेजना चीटिंग. ऐसी लड़कियों को फॉलो करना जो सेमी न्यूड कंटेंट बनाती हैं चीटिंग. अपनी स्नैपचैट आईडी छिपाना भी चीटिंग. कोई तुम्हें हिंट दे रहा हो और उसे बोलना तुम सिंगल हो, यह भी चीटिंग है. किसी से छिपकर मिलना भी चीटिंग, खत्म बात छोड़ दो इसको.

4 अगस्त को हर्षोल्लास के साथ सोलन में मनाई जाएगी डॉ.परमार की जयंती

दिव्य दिल्ली: अमरप्रीत सिंह (सोलन)

सिरमौर कल्याण मंच सोलन की बैठक मंच के प्रधान प्रदीप ममगाईं की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन मंच के महासचिव यशपाल कपूर ने किया। बैठक में मंच के सदस्यों ने 4 अगस्त को हिमाचल निमार्ता व प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार के जन्मदिन को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया। इस मौके पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल मुख्य अतिथि होंगे, जबकि डॉ. यशवंत सिंह परमार के पौत्र व वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद परमार विशिष्ट अतिथि होंगे। बैठक में कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कमेटियों का भी गठन किया गया। सोलन में सिरमौर कल्याण मंच 24 वर्षों से डॉ. परमार की जयंती मना रही है। प्रदेश की यह एकमात्र ऐसी संस्था है, जो पूरा दिन परमार जयंती को एक उत्सव की भांति मनाती है। इस वर्ष प्रातः 8 बजे सोलन की अधिष्ठात्री देवी माँ शूलिनी के दर्शन के बाद 9 बजे डॉ. यशवंत सिंह परमार की चिल्ड्रन पार्क स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण होगा। 11 बजे कवि व विचार गोष्ठी का शुभारंभ होगा। दोपहर बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन,मुख्य अतिथि का स्वागत सत्कार किया जाएगा। इसके अलावा उल्लेखनीय कार्य करने वाले सिरमौर के दो विभूतियों को सिरमौर सम्मान व परमार सम्मान से नवाजा जाएगा। शाम को सिरमौरी धाम के साथ इस कार्यक्रम का समापन होगा।

शाहपुर कंडी पुलिस ने एक युवक को चिट्टा पीने के आरोप में पकड़ कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया

दिव्य दिल्ली: करुनीत रंधावा (पठानकोट)

जिला पुलिस प्रमुख डीएस ढिल्लों की हिदायत अनुसार , नशे पर नकेल कसते हुए शाहपुर कंडी पुलिस ने गांव रानीपुर के समीप से एक युवक को चिट्टे का सेवन करते हुए पकड़ा है। शाहपुर कंडी पुलिस की एसएचओ सब इंस्पेक्टर अमनप्रीत कौर ने बताया कि उनकी पुलिस के एएसआई नरेश कुमार गांव रानीपुर के समीप गश्त कर रहे थे तो उस समय गांव के समीप ही , झाड़ियों के पीछे एक युवक कुछ पी रहा था तथा शक होने पर जब उक्त युवक जिसकी पहचान ब्रिज मोहन निवासी चीकला रानीपुर के रूप में हुई है, उसके हाथ में बीस रूपए का नोट , सिल्वर पेपर व अन्य सामान पकडे हुए थे।

न्यूज फ्लैश

पी एम श्री कन्या विद्यालय सिरमौर में चुना गया सबसे उत्तम स्कुल

दिव्य दिल्ली: विजय आजाद (नाहन)

पी एम श्री कन्या विद्यालय नाहन को पी एम श्री स्कूलों में इस वर्ष के लिए जिला में श्रेष्ठ स्कुल आँका गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इन सभी स्कूलों का राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा में गुणवत्ता ,बच्चों को सुविधाओं ,परीक्षा परिणामो व पी एम् श्री स्कूलों में समग्र शिक्षा के तहत तय किये गए मापदंडों पर चयन किया था जिसमे नाहन के पी एम् श्री स्कूल कन्या को श्रेष्ठ आँका गया है। आज दिल्ली में भारत मंडप में एक समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की ,उन्होंने वचुर्ली माध्यम से कई स्कूलों के प्रतिनिधियों से शिक्षा में सुधारों को लेकर चर्चा भी की। नाहन में स्कूल परिसर में लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम को लेकर आयोजन किया गया जिसमे विधायक नाहन अजय सोलंकी विशेष रूप से मौजूद रहे और कार्यक्रम में भाग लिया। विधायक अजय सोलंकी ने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय व राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही हैं ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। प्रदेश सरकार ने इस दिशा में अनेक कदम उठायें है और इसका ही परिणाम है कि प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में 21 वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंच गया है। स्कुल की प्रधानाचार्य डॉ आशिमा राघव ने बतायाकि स्कुल के लिए ये बड़े गर्व के पल हैं उन्हें इतना बड़ा सम्मान मिला है। इसमें छात्राओं ०स्कुल स्टाफ ने बहुत योगदान दिया है और स्कुल पी एम् श्री स्कूलों जोकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा विकसित करने के उदेशीय से बनाये गए हैं उनपर खरा उतरा है

संयुक्त किसान मोर्चा ने सैकड़ों ट्रैक्टरों के साथ मार्च निकाला

दिव्य दिल्ली: करुनीत रंधावा (पठानकोट)

संयुक्त किसान मोर्चा पंजाब की ओर से आज पठानकोट में झंडा मार्च निकाला गया। जिसका नेतृत्व जम्हूरी किसान सभा से बलदेव राज, बलवंत घौ, भारतीय किसान यूनियन से केवल सिंह कंग और जोगा सिंह मियानी, कुल हिंद किसान सभा से केवल कालिया और पुरुषोत्तम कुमार, भारतीय किसान यूनियन उगराहां से राजिंदर सिंह बाजवा, कुल हिंद किसान सभा से अमरीक सिंह और इकबाल सिंह, कीर्ति किसान यूनियन से मुख्तार सिंह ने किया। जिसमें लैंड पूलिंग नीति से प्रभावित 11 गांवों ने भाग लिया। उन गांवों की पंचायतों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस मार्च में साथियों के साथ आरती यूनियन के राज्य महासचिव गुरनाम सिंह छीना मौजूद थे। यह मार्च बाथ साहिब से शुरू होकर मलकपुर, इस्लामपुर, सुजानपुर से होते हुए प्रभावित गांवों से होते हुए डिफेंस रोड से मायरा, जंजेली, पंगोली चौक, मुमुन मेन बाजार से होते हुए डीसी कार्यालय के सामने नेताओं द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के बाद समाप्त हुआ। इस दौरान जरनैल सिंह, सोनी, अतर सिंह, बूटा सिंह व अन्य गांवों के प्रमुख लोगों ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लैंड पूलिंग नीति किसान विरोधी है। इसे किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने दिया जाएगा। इस नीति के कारण किसान विस्थापित होंगे। किसानों के साथ-साथ अन्य लोग, दुकानदार, मजदूर व अन्य लोग भी बेरोजगार हो जाएंगे। यह नीति गांवों के विकास के खिलाफ है। इससे पर्यावरण पर भी असर पड़ेगा। सरकार किसानों से जमीन छीनने के लिए झूठे वादे व लालच दे रही है। पहले जो जमीन अधिग्रहित की गई थीं, उनका विकास नहीं किया गया है। उन्होंने ऐलान किया कि किसान इस लैंड पूलिंग नीति के तहत एक इंच भी जमीन नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के माध्यम से जो भी इस नीति को रोकने के लिए आगे आएगा, उसे पूरी ताकत से लागू किया जाएगा। और जीत तक संघर्ष जारी रहेगा

जवाली विधानसभा क्षेत्र के यहत समलाना के समीप वन विभाग की टीम ने नाका लगाया हुआ था

दिव्य दिल्ली: राजेश कतनौरिया (भरमाड़)

जवाली विधानसभा क्षेत्र के यहत समलाना के समीप वन विभाग की टीम ने नाका लगाया हुआ था। इस दौरान एक कार चालक नाका तोड़कर भाग निकला। चालक ने तेजी से कार भगाते हुए फोरेस्ट गार्ड व तीन अन्य वाहनों को टक्कर मार दी। वन विभाग के गार्ड को चोट पहुंची है। वन विभाग की टीम ने उसका पीछा किया व रैहन के समीप उसे काबू कर लिया। विभाग की टीम ने गाड़ी को कब्जे में ले लिया है। मामले की जानकारी देते हुए आरओ वन विभाग जवाली आशीष कुमार ने बताया कि वन विभाग ने समलाना क्षेत्र में देर शाम नाकाबंदी की हुई थी। इस दौरान एक कार चालक को रुकने का इशारा किया तो वह कार को वहां से भगा ले गया। उन्होंने कहा कि कार का पीछा करते हुए उसे रैहन के समीप काबू करने का प्रयास किया, तो कार चालक ने फिर से गाड़ी को भगाने की कोशिश की जिस पर वन विभाग का गार्ड भी चपेट में आ गया, जिसे चोटें आई हैं।

कांग्रेस के निवर्तमान जिला अध्यक्ष सुमन भारती जयराम ठाकुर को दी नसीहत

कहा पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार से लें सीख

दिव्य दिल्ली: समित कुमार (हमीरपुर)

कांग्रेस के निवर्तमान जिला अध्यक्ष सुमन भारती ने हमीरपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार से सीख लें क्योंकि शांता कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया है कि हिमाचल उनका दूसरा घर है, तो हिमाचल प्रदेश के लिए आपदा राहत पैकेज प्रदान करें, ताकि हिमाचल प्रदेश का दोबारा से विकास किया जा सके। वहीं सुमन भारती ने हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अनुराग सिंह ठाकुर को हिमाचल प्रदेश में आई आपदा नहीं दिख रही, वह संसद में हिमाचल की बात रखने में पूरी तरह से असफल सिद्ध हुए हैं। अनुराग सिंह ठाकुर को केवल संसद में पाकिस्तान और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ही बात याद आती हैं। वहीं जिला कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष सुमन भारती ने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा करुणा मूलक नौकरियां देने का जो फैसला लिया है वह स्वागत योग्य है

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। वहीं सुमन भारती ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर जमकर निशाना साधा है उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार के बयान से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शांता कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हिमाचल प्रदेश के लिए विशेष राहत पैकेज देने की मांग उठाई है, लेकिन जयराम ठाकुर प्रधानमंत्री के समक्ष केवल सिराज क्षेत्र की ही बात करते नजर आए हैं। उन्होंने जयराम ठाकुर से सवाल किया है कि वह केवल सिराज के ही मुख्यमंत्री रहे हैं या अन्य हिमाचल के भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंडी जिला के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी आपदा आई है। उसके बारे में बात रखने में पूरी तरह से असफल सिद्ध हुए हैं।

अमेरिका की टैरिफ नीति का व्यापारी करेंगे विरोध- परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव

दिव्य दिल्ली: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामान पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसको लेकर पूरे भारतीय व्यापार में काफी रोष नाराजगी है। इसको लेकर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा भारत पर लगाए 25% टैरिफ को वापस लेना चाहिए अमेरिका भारत के साथ व्यापारिक संबंधों पर कुठाराघात से बाज आए माना जा रहा है कि इससे भारत को सालाना करीब 8 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है।

परन्तु भारत व्यापारी सरकार किसी भी तरह से अमेरिकी प्रशासन के दबाव में नहीं आएगा। इस पर दिल्ली और देश व्यापारियों ने भारी चिंता जताई है।

अमेरिका ने भारत पर लगाया 25% टैरिफ

दिव्य दिल्ली: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामान पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की है। माना जा रहा है कि इससे भारत को सालाना करीब 7 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। इस पर दिल्ली और देश में व्यापारियों और फैक्ट्री मालिकों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (उळक) ने भारी चिंता जताई है। उळक चेयरमैन बृजेश गोयल और महासचिव गुरमीत अरोड़ा ने बताया कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के सामानों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है , इस घोषणा से देसी कारोबारियों की टेंशन बढ़ गई है।

बृजेश गोयल ने बताया कि अमेरिका को भारत मेटल, पर्ल, स्टोन, लेदर, केमिकल, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिक, मसाले, मशीनरी पार्ट्स, फार्मास्युटिकल, मसाले और चावल आदि का निर्यात करता है। दिल्ली से भी काफी माल अमेरिका में जाता है।

इससे एक्सपोर्ट प्रभावित होगा। पेमेंट सिस्टम अस्त व्यस्त होगा। अमेरिका और भारत के व्यापारी-निमार्ताओं की मुश्किलें बढ़ेंगी। काफी माल पुराने रेट में डिलीवर किया है, जो रास्ते में है।

प्री-ऑर्डर को लेकर भी ट्रेडर्स दुविधा में हैं। बिजनेस में अनिश्चितता का माहौल है। CTI वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग और उपाध्यक्ष राहुल अदलखा ने चेतावनी दी है कि जल्दी ही सीटीआई व्यापारी संगठनों से चर्चा करके अमेरिकी सामान के खिलाफ कैंपेन शुरू करेगा। चीनी सामान भारत छोड़ो की तर्ज पर अमेरिकी सामान का भी विरोध होगा। त्योहारों के समय चीनी सामान बहिष्कार का प्रभावी असर देखने को मिल रहा है।

अमेरिका से बड़ी मात्रा में पेय पदार्थ, वेफर्स, फूड चेन समेत कई तरह की सर्विस भारत में उपयोग की जाती है , सीटीआई इन सभी अमेरिकी कंपनियों के सामान का पुरजोर विरोध करेगा

कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल शाहपुर कंडी में स्टूडेंट काउंसिल का चुनाव करवाया गया

दिव्य दिल्ली: करुनीत रंधावा (पठानकोट)

कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल शाहपुर कंडी में चेयरमैन इंजीनियर विधि एस. सिंह तथा मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर रेनू वांगरू की अध्यक्षता व उनके निदेर्शानुसार अनुसार प्रिंसिपल विजय सिंह की देखरेख में स्टूडेंट काउंसिल का चुनाव करवाया गया। । स्कूल परिसर में हुए स्टूडेंट काउंसिल चुनाव में अर्जुन सिंह हेड व्याय, अदिति मन्हास हेड गर्ल , तनुष और अनिशा स्पोर्ट्स कैप्टन, आरव और ऋषिका स्पोर्ट्स वाइस कैप्टन, वैभव और रिद्धिमा कल्चर हेड, हर्ष, अंकित, शाहिद मलिक और अक्षत किशोर हाउस कैप्टन, सोनाक्षी, अश्मि , महक और गुरलीन हाउस वाइस कैप्टन, आदित्य और आराधना डिसिप्लिन इंचार्ज अभिजीत और कनिका डिसिप्लिन असिस्टेंट इंचार्ज, सुशील और भूमिका कम्युनिकेशन इंचार्ज और विक्रांत कम्युनिकेशन असिस्टेंट इंचार्ज चुने गए। स्कूल के प्रिंसिपल विजय सिंह ने चुने गए स्टुडैंटस को शुभकामनाएं दी व टाइटल दे कर सम्मानित किया । इसके साथ ही नए चयनित हुए स्टुडैंटस को उनके कर्तव्य का सही से पालन करने के मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने स्टुडैंटस से कहा कि अनुशासन से सब कुछ सीखा जा सकता है, इसलिए सदा ही अपने से बड़ों का आदर व आपस में एकजुट रह कर अपनी शिक्षा व विकास की तरफ ध्यान देना चाहिए।

इस अवसर पर एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर गुलजार सिंह ,कोऑर्डिनेटर सविता पुन्नी, वीरेंद्र ठाकुर, मनदीप कुमार, डॉली ,तान्या, जसवीर, मनदीप, स्नेहा, संजीव, कृष्ण, राधा तथा अन्य स्टाफ उपस्थित था।

शाहपुर कंडी पुलिस ने चोरी का सामान चोरी करने वाले चोर व कबाड़ी को गिरफ्तार किया

दिव्य दिल्ली: करुनीत रंधावा (पठानकोट)

पिछले दिनों बैराज बांध के बन रहे पावर हाउस के समीप से कुछ को लोगों ने बिजली की सप्लाई देने वाले टावरों से लोहे के एंगल व शूटिंग की लोहे की प्लेट चोरी की थी, जिसके लिए पावर कॉम के अधीन कार्यरत टावर लगाने वाले ठेकेदार के व्यक्ति की ओर से शाहपुर कंडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी की , कुछ को अज्ञात लोगों ने गांव सिद्धि कमुयाल के समीप लग रहे बिजली के टावर से चार लोहे के बडे एंगल व आठ लोहे की शूटिंग की प्लेट चोरी की है, जिसके लिए पुलिस ने मामला दर्ज करके, एक कबाड़ी को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके आधार पर शाहपुर कंडी पुलिस के जांच अधिकारी एएसआई धर्मपाल ने जांच के दौरान कबाडी कुलदीप राज व चोरी करने वाला व्यक्ति तारा चंद निवासी हरूर को पकड कर चोरी का मामला दर्ज किया है, जिसके दौरान पुलिस ने आरोपियों को चोरी के मामले में माननीय न्यायालय में पेश करके, तीन दिन का रिमांड लिया है।

रिमांड के दोनों आरोपियों जिनमें तारा चंद निवासी हरूर व कबाड़ी कुलदीप राज से टावरों से चोरी हुए दो लोहे के एंगल व कुछ शटरिंग की लोहे की प्लेट बरामद की है। पुलिस के जांच अधिकारी ने बताया कि उक्त आरोपी तारा चंद ने अपने गांव के समीप लग रहे टावरों से उक्त सामान चोरी करके, कबाडी को बेच दिया था, जिसके लिए पुलिस ने शिकायत मिलते ही कार्रवाई को तेज करके, कबाडी से दो लोहे एंगल व कुछ प्लेट बरामद की तथा रिमांड के दौरान और भी कई बातें सामने आने की संभावना है

1971 में बलिदान सेना का मगर आयरन लेडी का तमगा किसी और को: अनुराग सिंह ठाकुर

दिव्य दिल्ली: शशि भूषण (धर्मशाला)

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने आज बुधवार को संसद में चर्चा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन को लिखी चिट्ठी पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर इंदिरा जी को अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने गिड़गिड़ाने की जरूरत क्यों पड़ी व 1971 की लड़ाई में बलिदान तो भारतीय सेना ने दिया मगर आयरन लेडी का तमगा किसी और को क्यों मिला? अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा यदि 1971 के युद्ध की बात की जाए, तो बलिदान भारत की सेना ने दिया था लेकिन ह्यआयरन लेडी किसी और को घोषित कर दिया गया। जो जंग सेना ने मैदान में जीती थी, वह इंदिरा गांधी मेज पर हारी गईं। यह देश तय करे कि उस समय की सरकार आयरन थी कि आयरनी (विडंबना) थी। तीन दिसंबर 1971 को पाकिस्तान द्वारा भारत के पश्चिमी मोर्चों पर हमले किये जाने के बाद 5 दिसंबर को इंदिरा गांधी ने निक्सन को चिट्ठी लिखी थी, मगर अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन को लिखी चिट्ठी में आखिर इंदिरा जी एक याचिका की तरह क्यों गिड़गिड़ा रही थी ? तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति से पाकिस्तान पर अपने प्रभाव का प्रयोग करने और भारत के विरुद्ध उसकी आक्रामक गतिविधियों को रोकने का आग्रह भारत को शर्मिंदा करते हुए आखिर इतने हल्के शब्दों में क्यों किया था? क्या इंदिरा जी को उस समय भारत की सेना पर विश्वास नहीं था या अपनी सरकार पर विश्वास नहीं था, ह्याजो अमेरिका के राष्ट्रपति के सामने हाथ फैलाना पड़ा? अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा ह्व कांग्रेस पार्टी देश को जवाब दे कि आखिर यह चिट्ठी क्यों लिखी गई थी? राष्ट्रपति निक्सन को लिखे अपने पत्र में इंदिरा जी ने लिखा थाह्व सरकार और भारत की जनता आपसे आग्रह करती है कि आप पाकिस्तान को उस अनियंत्रित आक्रामकता और सैन्य दुस्साहस की नीति से तुरंत बाज आने के लिए राजी करें, जिस पर वह दुर्भाग्य से चल पड़ा है। क्या मैं महामहिम से अनुरोध कर सकती हूं कि आप पाकिस्तान सरकार पर अपने प्रभाव का प्रयोग करके भारत के विरुद्ध उनकी आक्रामक गतिविधियों को रोकें। भारत उम्मीद करता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय हमारी दुर्दशा को समझाया और हमारे उद्देश्य की न्यायसंगतता को स्वीकार करेगाह्व

जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग तथा जिला होम्योपैथी विभाग ने गांव लंजेरा में चेकअप कैंप लगाया

दिव्य दिल्ली: करुनीत रंधावा (पठानकोट)

डायरेक्टर आयुर्वेद पंजाब रवि डुमरा तथा होम्योपैथी प्रमुख पंजाब सरकार के दिशा निदेर्शानुसार डिप्टी कमिश्नर पठानकोट के नेतृत्व में जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग तथा जिला होम्योपैथी विभाग द्वारा गांव लंजेरा के पंचायत घर में संयुक्त चिकित्सा चेकअप एवं मुफ्त दवाई वितरण कैंप आयोजित किया गया। आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रिंसी के नेतृत्व में आयोजित इस कैंप में डॉ सुदीक्षा, डॉ पंकज ठाकुर, उपवैद्य मंदीप और सुच्चा सिंह, योग इंस्ट्रक्टर कार्तिक और अनुदीप द्वारा आयुर्वैदिक के 308 तथा होम्योपैथी विशेषज्ञों डॉ. अमरिंदर सिंह, डॉ. हरजिंदर कौर, फार्मासिस्ट राज कुमार तथा सीमा द्वारा 121 लोगों की जांच करके उन्हें उनके रोग के अनुसार मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं। जानकारी देते हुए आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रिंसी ने बताया कि आयुर्वेद का शाब्दिक अर्थ जीवन का विज्ञान है। यह स्वास्थ्य की एक ऐसी समग्र प्रणाली है जिसका प्राचीन काल से पालन किया जा रहा है।

आयुर्वेद के अनुसार, केवल बीमारियों या रोगों से मुक्ति ही स्वास्थ्य नहीं है, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की स्थिति है। आयुर्वेद के प्राचीन ऋषि, आचार्य सुश्रुत ने स्वस्थ व्यक्ति को परिभाषित किया है।

उनके अनुसार, ऐसा व्यक्ति जिसमें दोष (देहद्रव जो शरीर को बनाते हैं), अग्नि (पाचन और चयापचय की प्रक्रिया), धातु (शरीर के ऊतक), मल (मल मूत्र), क्रिया (शारीरिक कार्य) संतुलित है और जो एक संतुलित मन और आत्मा के साथ खुश है, वही व्यक्ति स्वस्थ है

पांचवीं बार पद्म सम्मान की दौड़ में हमीरपुर के समाजसेवी रविन्द्र सिंह डोगरा

दिव्य दिल्ली: समित कुमार (हमीरपुर)

समाजसेवा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट योगदान देने वाले हमीरपुर जिले के समाजसेवी रविन्द्र सिंह डोगरा का नाम इस वर्ष एक बार फिर पद्म पुरस्कार के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा अनुशंसा सूची में शामिल किया गया है। यह लगातार पांचवां मौका है जब डोगरा का नाम प्रदेश से पद्म सम्मान के लिए भेजा गया है। गुरुवार को उन्होंने अपने नामांकन दस्तावेज उपायुक्त हमीरपुर के माध्यम से राज्य सरकार को सौंपे। डोगरा पिछले 15 वर्षों से महिला सशक्तिकरण, आपदा राहत, सामाजिक न्याय और जरूरतमंदों की मदद जैसे अनेक क्षेत्रों में सक्रिय हैं। विशेष रूप से महिला उत्पीड़न और शोषण के मामलों में वे न केवल आवाज उठाते हैं, बल्कि कई मामलों में कानूनी पैरवी कर पीड़ितों को न्याय भी दिलवा चुके हैं। कोरोना महामारी के दौर में उनका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने हमीरपुर, मंडी और कांगड़ा जिलों में लगभग 1.5 लाख लोगों तक दवाइयां, सैनिटाइजेशन किट और अन्य जरूरी सामग्री व्यक्तिगत रूप से पहुंचाई। गांव-गांव, स्कूलों, बैंकों, मंदिरों, बस अड्डों और थानों में जाकर सेनेटाइजेशन का कार्य किया। महामारी के दौरान कई मृतकों के अंतिम संस्कार भी उन्होंने स्वयं किए, जब परिजन तक आगे नहीं आए। उनके इस निस्वार्थ कार्य की प्रदेश भर में सराहना हुई, लेकिन उन्हें अब तक राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान नहीं मिल सका। इस बार मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्वयं इस विषय का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों से पूछा कि आखिरकार चार बार नाम आने के बावजूद डोगरा का नाम केंद्र को क्यों नहीं भेजा गया। मुख्यमंत्री की इस पहल के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि राज्य सरकार इस बार नाम को केंद्रीय गृह मंत्रालय तक अवश्य भेजेगी। वहीं रविंद्र सिंह डोगरा ने बताया कि कोरोना काल के दौरान उन्होंने समाज सेवा का बेहतरीन कार्य किया है जिसके चलते 2020 में तत्कालीन अधिकारियों ने उनका नाम पद्मश्री अवार्ड के लिए भेजा था लेकिन इतने वर्ष बीत जाने के बावजूद भी उन्हें अभी तक अवार्ड नहीं मिला है। रविंद्र सिंह डोगरा ने बताया कि बीते वर्ष उन्हें पद्मश्री अवार्ड के लिए शिमला में दस्तावेज जमा करवाने को लेकर कहा गया लेकिन उन्होंने दस्तावेज जमा नहीं करवाए हैं। क्योंकि इससे पहले भी चार बार रविंद्र सिंह डोगरा अपने दस्तावेज प्रशासन को दे चुके हैं। इस पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने संज्ञान लिया और जांच करने के आदेश दिए हैं।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397